@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 28 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 142 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

न लॉकडाउन लगेगा न ईंधन की कमी होगी: रिजिजू

• किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की फ्यूल ड्यूटी में कटौती की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में

उन्होंने कहा, 'मैं पूरे देश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। ऐसे कठिन समय में, जब दुनिया के जिस क्षेत्र से हमें गैस और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं, वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, उस समय इतना बड़ा फैसला लेना कोई सामान्य बात नहीं है। '

• सरकार का मकसद साफ है कि देश के किसी भी नागरिक को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने आज दिखा दिया है कि किसी भी भारतीय को अपने दैनिक जीवन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हर आम व्यक्ति समझता है कि हमारे देश में गैस और तेल का उत्पादन बहुत कम होता है और हम आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों को नियंत्रित रखना और बढ़ने से रोकना बहुत बड़ा फैसला है।

-केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू

• ममता बनर्जी पर भड़काऊ बयान का आरोप

अमित मालवीय ने चुनाव आयोग से की हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'लगातार उकसावे' के जरिए हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है और चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। मालवीय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि पांडवेश्वर में एक रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं से 'घर में जो भी है, उसे हथियार बनाकर' विपक्ष को कुचलने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले भी उत्तर बंगाल में इसी तरह का संदेश दिया गया था।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बासंती में हुई हिंसा उसी कथित उकसावे के बाद हुई, जहां तृणमूल से जुड़े हमलावरों ने चुनाव प्रचार कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान राज्य पुलिस मूकदर्शक बनी रही। अमित मालवीय ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह इस मामले का संज्ञान ले और तृणमूल के भीतर आपराधिक तत्वों पर लगाम सुनिश्चित करे। हालांकि, इन आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'देश में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कोई कमी नहीं'

• पश्चिम एशिया संकट गहराने के बाद सरकार का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। हम युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान यह बात कही। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत सरकार ने इस स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति प्रभावित: पेट्रोलियम मंत्रालय

शर्मा ने कहा, 'पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारत की कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के साथ-साथ अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भी बढ़ी हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए विभिन्न स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और अगले दो महीनों के लिए आपूर्ति की व्यवस्था है। एलपीजी और पीएनजी के मामले में भी स्थिति अनुकूल है। '

देश में एलपीजी उत्पादन में 40फीसदी का इजाफा हुआ

सरकार की ओर से बताया गया है कि हमारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से या उससे भी अधिक क्षमता से चल रही हैं और घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40**फीसदी** की वृद्धि हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार चूंकि भारत आयात पर अत्यधिक निर्भर है और एलपीजी आयात का लगभग 90फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है- इसलिए सरकार ने वाणिज्यिक आपूर्ति के बजाय घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। शुरुआत में वाणिज्यिक आपूर्ति रोक दी गई, फिर धीरे-धीरे बहाल की गई।

प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक: राज्यों को सप्लाई चेन दुरुस्त रखने के निर्देश

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि %टीम इंडिया% की भावना से मिलकर काम करने पर देश इस स्थिति से सफलतापूर्वक उबर जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकताएं आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग व आपूर्ति श्रृखंलाओं को मजूबत करना है। उन्होंने राज्यों से आपूर्ति श्रंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और जमाखोरी व मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में अग्रिम योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, खासकर उर्वरक भंडारण और वितरण की निगरानी में। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी स्तरों पर मजबूत समन्वय तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि बदलते हालात में तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सीमा और तटीय राज्यों में खास ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि नौवहन, आवश्यक आपूर्ति और समुद्री संचालन से जुड़ी नई चुनौतियों का समाधान किया जा सके। प्रधानमंत्री ने गलत सूचनाओं व अफवाहों से सतर्क रहने का भी आग्रह किया और सही व विश्वसनीय जानकारी फैलाने पर जोर दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक %टीम इंडिया% की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने

के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इस्त्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए। बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे। **शेष पृष्ठ 3 पर**

न्यायिक रिक्तियों में देरी बर्दाश्त नहीं: सीजेआई ने सभी हाई कोर्ट को लिखा पत्र

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अपने पत्र में जिक्र किया है कि उच्च न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अब भी काफी कम है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट कॉलेजियम को महिला जजों की नियुक्ति को अपवाद के तौर पर नहीं, बल्कि सामान्य नियम के रूप में देखना चाहिए। मेधावी महिला वकीलों को बेंच का हिस्सा बनाना केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता लाने के लिए अनिवार्य है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बताया कि जिला अदालतों में महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या लगभग 36.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब निचली अदालतें इतना मजबूत है, तो इसका असर उच्च न्यायपालिका में भी दिखना चाहिए। उन्होंने हाईकोर्ट कॉलेजियम से आग्रह किया कि वे अपना दायरा बढाएं। सीजेआई सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि हाईकोर्ट उन महिला वकीलों के नामों पर भी विचार करें

सीएम ममता बनर्जी ने फिर साधा चुनाव आयोग पर निशाना

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।उन्होंने कहा, लोग जल्द ही इस तरह के मनमाने फैसलों पर जवाब मांगेंगे। कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, भगवान

की चक्की धीमी चलती है। लेकिन चलती पक्की है। मैं यह बात राम नवमी के दिन कह रही हूं। लोग इसका जवाब देंगे। विचाराधीन नामों की पहली पूरक सूची 23 मार्च को ऑनलाइन जारी की गई थी। लेकिन इसमें हटाए और जोड़े गए नामों की संख्या आधिकारिक तौर पर नहीं बताई गई। हालांकि, चुनाव आयोग के सूत्रों ने दावा किया कि अब तक जांच की गई 32 मतदाताओं में से करीब 40 फीसदी को सूची से हटा दिया गया है। यानी करीब 13 लाख अतिरिक्त नाम हटाए गए हैं, जिससे कुल हटाए गए मतदाताओं की संख्या करीब 76 लाख हो गई है। राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 7.6 करोड़ से अधिक मतदाताओं के साथ हुआ था, जिनमें से अब तक करीब 10 फीसदी नाम हटाए जा चुके हैं और वर्तमान संख्या लगभग 6.8 करोड़ रह गई है। बनर्जी ने कहा, अब जो हो रहा है, वो सुपर हिटलर के कारनामों को भी पीछे छोड़ देगा। यह पूरी कवायद (एसआईआर अभ्यास) भाजपा की गायब करने वाली मशीन बन गई है। ये लोग लोकतंत्र और जनता के अधिकारों को नष्ट कर रहे हैं। मुझे इनसे नफरत है और शर्म आती है। इन्होंने एक सदस्य को (सूची में) रखा है और उसी परिवार के बाकी चार सदस्यों को हटा दिया है। इन्होंने एक खास समुदाय से जुड़े लाखों नाम हटा दिए हैं। क्या भाजपा खुद को इस देश का जमींदार समझती है? पूरक सूचियों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग की पहली पूरक सूची को पूरी तरह प्रकाशित करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, हमें अभी तक पहली पूरक सूची नहीं मिली है। यह अभी तक सार्वजनिक नहीं हुई है। लोकतंत्र की इससे बड़ी हत्या और कोई नहीं हो सकती। मतदाता सूची कब प्रकाशित होनी थी? सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कब सुनाया? पिछली सूची 28 को प्रकाशित हुई थी। मैंने सुना है कि उन्होंने उस सूची से करीब 50 फीसदी मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं।

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, ‘यह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम वियजन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में

भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की ओर से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक: राज्यों को सप्लाई चेन दुरुस्त रखने के निर्देश

प्रथम पृष्ठ का शेष

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा। वहीं, मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के बीच ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने और राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन बढ़ाने के फैसलों का स्वागत किया। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उलब्धता के कारण स्तिति स्थिर बनी हुई है। उसी दिन एक मीडिया कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद भी चुनौतियां लगातार बढ़ती रही हैं और ऐसा कोई साल नहीं रहा जब भारत और भारतीयों की परीक्षा न हुई हो। लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के संयुक्त प्रयास से भारत हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और चुनौतियों को टालने के बजाय सीधे उनका सामना कर रहा है। सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने का आह्वान किया था, जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान रहा था। उन्होंने संकट के आंतरिक सुरक्षा पहलू की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि कुछ तत्व ऐसी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और तटीय, सीमा, साइबर और रणनीतिक ठिकानों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चाहे तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा या रणनीतिक प्रतिष्ठान, सभी की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। पीएम मोदी ने धैर्य, संयम और सतर्कता बरतने की अपील की और अफवाह फैलाने, कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ चेतावनी दी और सभी राज्य सरकारों से सख्त निगरानी और तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। लोकसभा में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश की सामूहिक ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब देश की हर सरकार और हर नागरिक साथ चलता है, तो हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं, यही हमारी पहचान और ताकत है। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता के कारण स्थिति स्थिर बनी हुई है। साथ ही, उन्होंने केंद्र के साथ मिलकर प्रभावी प्रबंधन के लिए तालमेल बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

फरीदाबाद में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग कार्यक्रम में विशाल जनसमूह उमड़ा

फरीदाबाद। विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु और सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग को सुनने के लिए 25 मार्च, 2026 को फरीदाबाद के हरियाणा स्टेट स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के पास सेक्टर-12 के हुडा ग्राउंड में विशाल जनसमूह उम? प?ा। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम की शुरुआत में आदरणीया माता रीटा जी ने गुरु अर्जन देव जी महाराज द्वारा लिखित एक भजन का अपने मधुर कंठ से गायन किया, जिसके बोल थे, प्रभु जी तू मेरे प्रान आधारे (हे ईश्वर आप ही मेरे प्राणों के आधार हो)। उसके पश्चात इस भजन की व्याख्या करते हुए, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि, इस भौतिक संसार में केवल ईश्वर ही हमारे सच्चे आधार और हितैषी हैं, जो हर परिस्थिति में हमारी संभाल और मार्गदर्शन करते हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने आगे कहा कि अपना जीवन जीते हुए हम अक्सर यह मानते हैं कि हमारे परिवार, दोस्त-मित्र और रिश्तेदार ही हमारे सदा-सदा के साथी हैं, परंतु इस भजन में गुरु अर्जन देव जी महाराज एक ऐसे सच्चे शिष्य के जीवन के बारे में बयान कर रहे हैं, जो निरंतर ईश्वर की याद में लीन रहता है क्योंकि वह यह अनुभव करता है कि ये दुनिया नहीं बल्कि ईश्वर ही उसके जीवन के आधार हैं और वही उसकी संभाल कर रहे हैं। इसलिए वो कहता है कि मैं ईश्वर को नमस्कार करता हूँ, उनका सिमरन करता हूँ और अपना तन-मन-धन उन पर बार-बार न्यौछावर करता हूँ। अपने सत्संग को जारी रखते हुए उन्होंने आगे कहा कि इस माया की दुनिया में जीते हुए हम लोग उठते-बैठते और सोते-जागते सिर्फ इस शरीर या धन-दौलत के बारे में ही बातचीत करते हैं, उसकी याद करते हैं लेकिन एक सच्चा शिष्य इस दुनिया की नहीं केवल ईश्वर की ही याद करता है क्योंकि वह यह अनुभव कर चुका होता है कि इस दुनिया में सुख और दुःख हमारे मन के कारण ही आते हैं। इसलिए ऐसा शिष्य ईश्वर से यह प्रार्थना करता है कि, हे ईश्वर! आप ही मेरी रक्षा करने वाले हो, आप ही मेरी ताकत हो, मुझे विवेक देने वाले हो, मेरा धन हो और मेरा परिवार हो। आप ही मेरे लिए सब कुछ हो। अंत में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि जब हम ऐसा जीवन जीते हैं जिसमें हम ईश्वर पर भरोसा करते हैं तो हमें यह अनुभव हो जाता है कि जो कुछ भी हमारे जीवन में हो रहा है, उसमें ही हमारी भलाई है और ईश्वर के चरण-कमलों से जु?कर ही हमें सारे सुख मिल सकते हैं तो तभी हमारे मनुष्य जीवन का उद्देश्य जोकि अपने आपको जानना और ईश्वर को पाना है, वो इसी जीवन में पूरा होता है। सत्संग के पश्चात संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने नए भाई-बहनों को आध्यात्मिक दीक्षा देकर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव कराया। इस अवसर पर परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अपार दयामेहर से इसी स्थान पर जरूरतमंदो के लिए मुफ्त वस्त्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी आयु वर्ग के 1418 से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को 5672 से अधिक कप? मुफ्त वितरित किए गए, जिनमें से प्रत्येक व्यक्ति को 3 कप?ों के साथ 1 नए कपडे का सेट दिया गया। परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज एक लाभ न कमाने वाली संस्था सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष हैं, जिसे पश्चिमी देशों में साईंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी के नाम से भी जाना जाता है। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक कार्य को प्रेम और निस्वार्थ सेवा की कभी न खत्म होने वाली यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। उनका उद्देश्य विश्वभर के लाखों लोगों को मनुष्य जीवन के मुख्य ध्येय जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को खोजने में मदद करना है। वे पिछले 35 वर्षों से जीवन के सभी क्षेत्रों के लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाकर उन्हें अपने अंदर ही प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करा रहे हैं। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को विश्वभर में ध्यान-अभ्यास पर आधारित सेमिनारों, आध्यात्मिक पुस्तकों, डीवीडी, ऑडियो बुक, लेख, टीवी, रेडियो, इंटरनेट प्रसारणों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों भाई-बहनों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की पुस्तकें विश्व की 56 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें 'मन का शुद्धिकरण' 'मेडिटेशन ऐ? मेडिकेशन फॉर द सोल' और 'ध्यान-अभ्यास के द्वारा आंतरिक और बाहरी शांति' आदि शामिल हैं।

नोएडा भूमि घोटाले के सह आरोपियों के खिलाफ केस चलाने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा भूमि घोटाले से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से आपराधिक कार्यवाही रद्द करने का आदेश सिर्फ उस आरोपी पर लागू होता है जिसने अदालत का रुख किया था। यह आदेश अन्य सह-आरोपियों पर स्वतः लागू नहीं माना जा सकता। यह टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जो हाईकोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या के आधार पर पारित किया गया था। जस्टिस आह्वानुदीन अमानुल्लाह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश की गलत समझ के कारण ट्रायल कोर्ट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसका लाभ उठाकर अन्य सह-आरोपियों ने भी राहत पाने का प्रयास किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील धनंजय जैन ने कहा कि यह किसानों के हक से जुड़ा मामला है। किसानों को भूमि कौ?ियों के भाव में ले ली गई थी। यह मामला चिटहेरा गांव की लगभग 300 बीघा जमीन से जुड़े कथित अवैध लेनदेन का है। आरोप है कि किसानों पर दबाव डालकर उनकी जमीन बहुत कम कीमत पर खरीद ली गई। इस संबंध में वर्ष 2022 में गौतम बुद्ध नगर में दर्ज प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इनमें धोखाधड़ी, जालसाजी (धारा, उगाही और आपराधिक साजिश के आरोप शामिल हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लगाए गए थे। साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को अनावश्यक व्याख्या संबंधी मुद्दे उठाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे न्यायिक प्रक्रिया में देरी हो सकती है। अदालत ने सह-आरोपियों द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं को किसी अन्य पीठ के समक्ष रखने और तीन महीने के भीतर उनका निपटारा करने का निर्देश भी दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से यह पूछा कि कथित तौर पर किसानों से ली गई जमीन के संबंध में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। अदालत ने यह जानना चाहा कि क्या विवादित बिक्री विलेखों को रद्द करने या प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए कोई कार्रवाई की गई है। दिसंबर 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी मालू की याचिका पर उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर, चार्जशीट और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था। इसके बाद अन्य आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट में दलील दी कि जब पूरी कार्यवाही रद्द हो चुकी है तो इसका लाभ उन्हें भी मिलना चाहिए। ट्रायल कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस दृष्टिकोण को गलत ठहराते हुए कहा कि हाईकोर्ट का आदेश केवल उस आरोपी के लिए था जिसने अदालत में अपील की थी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी के दौरान कुछ जगहों पर हिंसा

मुर्शिदाबाद। पुलिस के मुताबिक, जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक रूप में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किया और आसपास की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया। हालात बिगड़ते देख पुलिस और सुरक्षा बलों को तुरंत मौके पर तैनात किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। एहतियात के तौर पर इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और लगातार गश्त जारी है। संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज में रामनवमी के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच तीन अलग-अलग जगहों पर झड़प हो गई, जिसमें दुकानों और प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं शामिल थीं। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। इसके बाद केंद्रीय बल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को अपने नियंत्रण में ले लिया।

पहले दामाद अब जीजा संग भागी सास, पिता ने कर ली दूसरी शादी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सास-दामाद वाली लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 10 महीने पहले शुरू हुई इस अनोखी प्रेम कहानी में, दामाद राहुल को अपनी होने वाली सास अनीता देवी से दिल लग गया। बात इतनी आगे बढ़ी कि दोनों ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद राहुल, अनीता देवी को उनके घर से लेकर चला गया। इस मामले में अनीता देवी के पूर्व पति जितेंद्र ने थाना मडराक में दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरकत में आई और कुछ ही समय में दोनों को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि पूछताछ के दौरान अनीता देवी और राहुल ने साफ कहा कि वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं। उनका कहना था कि किसी ने उन्हें मजबूर नहीं किया, बल्कि यह उनका आपसी फैसला है। अब करीब 10 महीने बाद इस मामले एक नया मोड़ ले लिया है। दोनों की मोहब्बत के बीच में दरार आ चुकी है। दोनों एक दूसरे से अलग भी हो चुके हैं। अब इस कहानी में एक नए किरदार की एंट्री हो चुकी है। इस बार यह महिला का जीजा है। राहुल का आरोप है कि महिला अपने जीजा देवेंद्र के साथ फरार हो गई है। इतना ही नहीं जिस घर में दोनों रहते थे वहां से वह दो लाख रुपये नकद और जेवर साथ ले गई। राहुल ने पुलिस में गुहार लगाई है। वहीं सास ने भी पूर्व प्रेमी राहुल पर आरोप लगाए हैं। जो बेहद गंभीर भी हैं। अनीत का आरोप है कि राहुल उसे बंधक बनाकर पीटता था। जो गहने और रुपये वह साथ ले गई थी उसने सब हड़प लिया। महिला ने कहा कि जब मैं उसके साथ गई थी करीब एक माह तक तो उसने सही रखा, उसके बाद वो पता नहीं क्या-क्या खिलाने लगा। मुझे कुछ पता नहीं रहता था। मुझे ताले में बंद रखता है। मैं जो अपने साथ लेकर गई थी, वो सबकुछ हड़प लिया उसने। टॉयलेट भी अंदर ही करती थी। मेरे साथ बहुत मारपीट करता था। आधा किलो चांदी उसकी मां के पास है। अब वह राहुल के साथ अब कभी नहीं रहूंगी। अनीत ने आरोप लगाया कि राहुल महिलाओं को बेचता था। महिलाओं का धंधा करता है। मुझे अपने किये पर बहुत पछतावा है। एक पड़ोसी महिला की मदद से वह बचकर निकली और अलीगढ़ आई थी। मेरे जीजा पर गलत आरोप लगा रहा है। वो गरीब आदमी हैं। उसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर दी। उसे सजा होनी चाहिए। उसे जेल होनी चाहिए। थाना दादों के गांव मछरिया नगला निवासी राहुल कुमार की शादी अप्रैल 2025 में थाना मडराक के गांव मनोहरपुर में तय हुई थी। सगाई के बाद उसकी होने वाली सास सपना देवी के साथ मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा और धीरे-धीरे दामाद-सास की नजदीकियां प्यार में बदल गईं। राहुल और पुलिस के अनुसार विवाह से करीब 12 दिन पहले सपना देवी पति, परिवार को छोड़कर वह उसके पास चली आई थीं। पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बिहार सहित कई राज्यों में दबिश दी। इसके बाद दोनों स्वयं दादों थाने पहुंचे। वहां से दोनों को मडराक थाने बुलाया गया, जहां सास और दामाद ने एक-दूसरे के साथ रहने की बात स्वीकार करते हुए जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाईं।

व्यावसायिक वाहनों को फर्जी स्टिकर बेचने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह व्यावसायिक वाहनों को %नो एंट्री% से जुड़े प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के लिए कथित तौर पर फर्जी स्टिकर बेचता था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि रिंकू राणा उर्फ भूषण, सोनू शर्मा और मुकेश कुमार उर्फ पकौड़ी की गिरफ्तारी के साथ ही यातायात से संबंधित धोखाधड़ी करने वाले तीसरे गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये आरोपी जबरन वसूली में शामिल एक अन्य गिरोह से भी जुड़े थे। उन्होंने बताया कि रिंकू राणा सरगना है। वह जो दो हजार से पांच हजार रुपये प्रति माह की दर से नकली %मार्का% या %स्टिकर% बेचकर व्यावसायिक माल वाहनों को प्रतिबंधित घंटों के दौरान आवाजाही की सुविधा प्रदान करता था। %स्टिकर% को यातायात नियमों से संबंधित चालान से बचने के लिए गलत तरीके से पेश किया गया था। पुलिस ने छापा मारने के दौरान 31 लाख रुपये नकदी, कई करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, 500 से अधिक नकली %स्टिकर% और गिरोह को संचालित करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल करने वाले छह फोन बरामद किए। यह कार्रवाई यातायात पुलिस के एक अधिकारी की ओर से इस साल अप्रैल में दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई। जांच में पता चला कि अवैध आवाजाही में वाहनों की मदद करने और चालकों को यातायात पुलिस जांच चौकियों के बारे में सूचना देने के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने बताया कि सोनू शर्मा के माध्यम से स्टिकर बेचे जाते थे।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री गफ्फार मोबिन, पुत्र मोहम्मद मुनिरुद्दीन, द्वितीय मंजिल (छत के अधिकार के बिना), संपत्ति संख्या 49, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, न्यू गणेश पार्क राशिद मार्केट के लेआउट प्लान में स्थित, ग्राम खुरेजी खास शाहदरा, दिल्ली -51 के क्षेत्र में, पंजीकृत जीपीए दिनांक 05.02.2003 के आधार पर, एसआरओ-दिल्ली में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज संख्या 1510, पुस्तक संख्या 4, खंड संख्या 672, पृष्ठ संख्या 14-16, दिनांक 05.02.2003, एटीएस और पंजीकृत। श्री इसरार हुसेन, श्री चूट्टन खान के पुत्र द्वारा निष्पादित वसीयत के अनुसार, उक्त संपत्ति श्रीमती रेशमा को बेची जानी है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती शालू एवं श्री गौरव कुमार प्रॉपर्टी नंबर RZ-27-G के निर्मित भाग को, जो कि 40 वर्ग गज क्षेत्रफल का है एवं खसरा नंबर 22 में स्थित है, ग्राम सागरपुर, दिल्ली स्टेट आबादी, जिसे मेन सागरपुर, गली नंबर 5/5, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है, श्रीमती अंजू अग्रवाल से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री नारायण सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 15.01.1971 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री नरेश कुमार आहूवालिया को बेची। तत्पश्चात, श्री नरेश कुमार आहूवालिया ने दिनांक 12.01.1972 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री कृष्ण लाल को हस्तांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्री कृष्ण लाल का निधन दिनांक 25.09.2020 को हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैधानिक उत्तराधिकारी हैं- श्री भूषण कुमार (पुत्र), श्रीमती नीता (पुत्री), श्रीमती काजल (पुत्री), श्रीमती योगिता (पुत्री) एवं श्रीमती राज कुमारी (पत्नी)। तत्पश्चात, श्री भूषण कुमार, श्रीमती नीता, श्रीमती काजल एवं श्रीमती योगिता ने दिनांक 22.06.2002 की त्याग पत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपना-अपना हिस्सा श्रीमती राज कुमारी के पक्ष में त्याग दिया। इसके बाद, श्रीमती राज कुमारी ने दिनांक 16.07.2002 को पंजीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती संध्या श्रीवास्तव को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती संध्या श्रीवास्तव ने दिनांक 31.10.2003 को पंजीकृत तक्क़ ञ्ञस एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती अंजू अग्रवाल को हस्तांतरित की। अतः, श्रीमती अंजू अग्रवाल उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, ऋण अथवा दावों से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Hero Housing Finance Ltd., शाखा NSP, दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I HITESH OMPRAKASH GUPTA S/O , OM PRAKASH GUPTA R/O B-305 NEAR RADISSON BLU HOTEL CRESCENT APARTMENT DWARKA SECTOR- 18A, DELHI - 110075 have changed my name to HITESH GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SAMINA PARVEEN W/O SALEEM BEG R/O H.NO 1575 KUCHA DAKHNI RAI PATAUDI HOUSE DARYA GANJ DELHI-110002 have changed my name to SAMEENA BEGUM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I PUSHKER BHIM VERMA S/O VIJENDRA VERMA R/O N-224 SECOND FLOOR GREATER KAILASH PART-1 DELHI-110048 have changed my name to PUSHKAR BHIM VERMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, GOUKARNA, is legally mother of JC No. 461839P, Rank Sub, Name MHAISAGAR GAJENDRA MUGUTRAO, presently residing at At Pimpalkhuta Bu, Post Nimkhed, Teh Malkapur, Dist Buldhana, State Maharashtra 443101, have changed my name from GOUKARNA to GAUKARNA MUGUTRAO MHAISAGAR and my date of birth from 16/08/1958 to 01/07/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated 26/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, BADABANDALA TAVUDU Father of No-15721231H Rank-LNK Name-BADABANDALA MANOJ KUMAR Presently residing at 5-3-114, PESARAPADU, PALASA, KASIBUGGA, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my name from BADABANDALA TAVUDU to BADABANDALA THAVUDU for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BADABANDALA UGADHI Mother of No-15721231H Rank-LNK Name-BADABANDALA MANOJ KUMAR Presently residing at 5-3-114, PESARAPADU, PALASA, KASIBUGGA, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my name from BADABANDALA UGADHI to BADABANDALA UGADI for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MUGUTRAO, is legally father of JC No. 461839P, Rank Sub, Name MHAISAGAR GAJENDRA MUGUTRAO, presently residing at Vill Pimplakhuta Bu, Post Nimkhed , Teh Malkapur, Dist Buldhana, State Maharashtra 443101, have changed my name from MUGUTRAO to MUGUTRAO WAMANRAO MHAISAGAR and my date of birth from 16/08/1952 to 14/01/1951 for all future purposes.Vide affidavit dated 26/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Santosh Kumar Singh S/O Sidhnath Prashad Singh R/O H NO. 54P Sector 56 Gurgaon Haryana 122002 I Have Changed My Name To Santosh Singh.

NAME CHANGE

I TASLEEM W/O ABDUL RAZAQ R/O 64/65 3RD FLOOR BHARGAVA LANE BAGICHI TIS HAZARI CIVIL LINES DELHI 110054 HAVE CHANGED MY NAME TO TASLEEM JAHAN

NAME CHANGE

I Anwar Ansari S/O Mohd Hafiz Ansari R/O Flat no-301,3rd Floor, Plot no- GH-3, Sector 48, The Vark Co-operative group housing society ltd, Nit Faridabad, Haryana, have change my Son Name from Faiz Raza to Faiz Raza Ansari for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Rahul Kumar S/o Mr. Rameshwar Prasad is the owner of Freehold Residential Built-up First Floor without Roof Rights built on Property bearing No. 35, area measuring 70 Sq. Yds. out of Khasra No. 170, Situated in the Village Nawada, Delhi State Delhi, in the Colony known as Nawada Housing Complex in Block-E, Uttam Nagar, New Delhi. by virtue of Notarized GPA along with ATS & Will dated 26.09.2025, in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mrs. Pragya Dubey and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, KIRAN W/O SURAJ ARORA residing at WZ-15A/2 PLOT NO-150, GROUND FLOOR, GALI NO-12, PASTRY PALACE, KRISHNA PURI, TILAK NAGAR, DELHI-110018 have changed my name to KIRAN ARORA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NO-17024648N Rank-HAV Name-UPADHYAY SAGARKUMAR SANJAYKUMAR R/o NO-79, MARUTI NAGAR, BAMROLI ROAD, VPO-GODHRA, TEHSIL-GODHRA, DIST-PANCHMAHAL, GUJARAT-389001, have changed my minor daughter s name from DHYANA to DHYANA SAGARKUMAR UPADHYAY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANA ISHAQUE W/O MOHD ADIL residing at H NO-5154/6, PHATAK HAKIM MEHMOOD KHAN, BALLIMARAN, DELHI-110006 have changed my name to SANA ISHAQ for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अश्वनी कुमार चड्डा, स्वर्गीय श्री बालिक राम चड्ढा के पुत्र, तीसरी मंजिल पर स्थित निजी फ्लैट (छत के अधिकार के बिना), जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है, संपत्ति संख्या WZ-32-B पर बना है, जो ग्राम बसई दारापुर, शारदापुरी कॉलोनी, नई दिल्ली में स्थित है, के संबंध में, दिनांक 28.06.1999 के पंजीकृत जीपीए के आधार पर, नो एसआर-दिल्ली कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, दस्तावेज संख्या 36628, वॉल्यूम के अनुसार। क्रमांक 6331, पुस्तक क्रमांक 1, पृष्ठ 112-113, दिनांक 28.06.1999, श्री देविंदर कुमार पुत्र श्री किशन लाल द्वारा निष्पादित वसीयतनामा और संपति श्रीमती प्रेम कला देवी को बेची जानी है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, LAIQUA HUSSAIN W/o SYED MOHAMMAD ABBAS RIZVI R/o H.NO.31, SECTOR-19, AMBERHAI, DWARKA, DELHI-10075, have changed my name to LAIQUA RIZVI permanently

NAME CHANGE

I, Shahrukh S/o Mohd Ibrahim R/o E-11, D D A Flats,Turkman Gate, Delhi--110006 have changed my name to Mohd Shahrukh.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि सुश्री प्राची चौहान फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित संपत्ति, प्लॉट नंबर D-93/1, जो कि 55 वर्ग गज क्षेत्रफल की है एवं खसरा नंबर 469 में स्थित है, ग्राम बिंदापुर, दिल्ली राज्य, कॉलोनी प्रताप गार्डन, नई दिल्ली में स्थित उक्त संपत्ति को श्रीमती राज कांता से खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री राकेश कुमार थे, जैसा कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज है, जिन्होंने दिनांक 25.02.1993 को GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती देवकी को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती देवकी ने दिनांक 22.10.2002 को पंजीकृत GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती रेखा को हस्तांतरित की। इसके बाद, श्रीमती रेखा ने दिनांक 29.09.2004 को पंजीकृत GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती पूर्णिमा को हस्तांतरित की तथा श्रीमती पूर्णिमा ने दिनांक 22.12.2004 को पंजीकृत GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री दीनानाथ को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री दीनानाथ ने दिनांक 26.03.2006 को GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री आनंद स्वरूप शर्मा को हस्तांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्री आनंद स्वरूप शर्मा का निधन दिनांक 06.12.2006 को हो गया, जिनके पश्चात उनके वैधानिक उत्तराधिकारी श्री आकाश शर्मा हैं। तत्पश्चात, श्री आकाश शर्मा ने दिनांक 26.04.2007 को पंजीकृत तक्क़ एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती राज कांता को हस्तांतरित की। अतः, श्रीमती राज कांता उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, ऋण अथवा दावों से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा- N-17, द्वितीय तल, विजय बिल्डिंग, बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना, अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as NAVNEET LAKHERA S/O RAM CHANDRA LAKHERA R/O HOUSE NO 357,SECTOR-15, VASUNDHRA, Near Water Tank, Ghaziabad,Uttar Pradesh - 201012, have changed my name and shall hereafter be known as NAVNEIT LAKHERA.

NAME CHANGE

I, No-6497282K Rank-HAV Name-D REEGAN Father of R V KAVIN RAJ residing at VPO-MATH-URTHIRUKKAI, TEHSIL-GINGEE, DISTT-VILLUPURAM, TAMIL NADU-605201, have changed my minor son s name from R V KAVIN RAJ to KAVINRAJ R for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJASTAI Mother of No-13775018K Rank-NK Name-TURANKAR MANOJ VIKASRAO residing at OMKAR LAYOUT, PANDAV WARD, PO & TEHSIL-BHADRAVATI, DIST-CHANDRAPUR, MAHARASHTRA-442902, have changed my name from RAJASTAI to RAJASTAI VIKAS TURANKAR for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, VIKASRAO TURANKAR Father of No-13775018K Rank-NK Name-TURANKAR MANOJ VIKASRAO residing at OMKAR LAYOUT, PANDAV WARD, PO & TEHSIL-BHADRAVATI, DIST-CHANDRAPUR, MAHARASHTRA-442902, have changed my name from VIKASRAO TURANKAR to VIKAS AJABRAO TURANKAR for all future purposes vide Affidavit Dated 27/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LAXMI BEN wife of JC-562788N, Rank-NB SUB, Name- DHRANGI KALABHAI VAHATABHAI residing at VILL-KANSARA, PO-IQBALGADH, TEHSIL-AMIRGADH, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT, have changed my name from LAXMI BEN to DHRANGI LAXMIBEN KALABHAI for all future purposes, in my husband s service record my date of birth wrongly mentioned as 05/11/1985 instead of my correct date of birth as 01/01/1985 Vide Affidavit dated 27/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD MOOSA SAMAD S/O ABDUL SAMAD residing at 507, SHAHZADA BAGH, PHASE-1, INDER LOK, DELHI-110035 have changed my name to MOOSA SAMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AISHA AZIZ W/O SAUD residing at A-10/73A, 1ST FLOOR, DDA FLATS, INDER LOK, DELHI-110035 have changed my name to AISHA for all future purpose.

फॉर्म नं. यूआरसी-2

अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण कराने हेतु सूचना विज्ञापन

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(ख) तथा धारा 366(2) सहपठित नियम 4(1), कंपनी (पंजीकरण हेतु अधिकृत) नियमावली, 2014 के अंतर्गत)

1. एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उपधारा (2) के अनुसार **NEXTVISION TECH SOLUTIONS LLP**, एक विद्यमान व्यवसायिक इकाई, ने कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकरण कराने हेतु रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़, **CRC, IICA, Manesar, Plot No. 6, 7 & 8, Sector-5, IMT Manesar, Gurgaon, Haryana – 122050** के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है।
2. प्रस्तावित कंपनी के मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:
   क) कंप्यूटर तथा कंप्यूटर परिधीय उपकरणों का खुदरा विक्रय करना।
   ख) कंप्यूटर परामर्श सेवाएँ प्रदान करना।
   ग) कंप्यूटर सुविधाओं के प्रबंधन से संबंधित गतिविधियाँ संचालित करना।
3. इच्छुक व्यक्तियों के निरीक्षण हेतु प्रस्तावित कंपनी के मसौदा ज्ञापन तथा उपविधियों की प्रतियां कंपनी के पंजीकृत कार्यालय **503-B, 5वीं मंज़िल, 73-74 शीटला हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110019** में कार्यालय समय के दौरान उपलब्ध रहेंगी।
4. एतद्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त आवेदन के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **इक्कीस (21) दिनों** के भीतर लिखित रूप में अपनी आपत्ति रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़, **CRC, IICA, Manesar, Plot No. 6, 7 & 8, Sector-5, IMT Manesar, Gurgaon, Haryana – 122050** को प्रेषित कर सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पते पर भी भेजना अनिवार्य होगा।

दिनांक : 28.03.2026

आवेदक गण:

1. सत्यब्रत सिंह चौहान
2. अंजलि

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

केमिकल टैंक की सफाई के लिए उतरे दो भाइयों की मौत

एजेंसी

पानीपत। यहां एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में केमिकल टैंक की सफाई करने उतरे दो युवकों की जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई थे। जो बिना सेफ्टी किट के टैंक की सफाई के लिएज उतरे थे। कुछ देर में ही उन पर बेहोशी छाने लगी। वहां मौजूद अन्य साथियों ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे बेहोश हो चुके थे। दोनों को सीपीआर देकर होश में लाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसके बाद दोनों को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों युवक यूपी के रहने वाले थे और आपस में चचेरे भाई थे। दोनों कामकाज के लिए रोजाना कैराना से पानीपात आते जाते थे। उधर, पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह हादसा जलालपुर रोड स्थित मयूर टेक्सटाइल फैक्ट्री में गुरुवार की दोपहर को हुआ। मृतकों की पहचान कैराना निवासी शिवम और नितिन के रूप में हुई। दोनों की उम्र 18-19 साल थी। दोनों चचेरे भाई थे। पुलिस के अनुसार गुरुवार की दोपहर बाद दोनों मयूर टेक्सटाइल फैक्ट्री में काम के लिए आए थे। आरोप है कि यहां फैक्ट्री मालिकों और ठेकेदारों ने इन दोनों भाइयों को 20 फीट गहरे केमिकल टैंक में साफ सफाई करने के लिए उतार दिया।

पूंडरी के गांवों में उपायुक्त अपराजिता ने किया डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने पूंडरी खंड के गांव मुन्नारहेड़ी व मोहना में पहुंचकर रबी फसलों के डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत चल रहे गिरदावरी कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पटवारियों द्वारा की जा रही डिजिटल एंट्री की प्रक्रिया की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी अपराजिता ने कई एकड़ खेतों में पैदल चलकर स्वयं डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत फसलों की एंट्री दर्ज की। उन्होंने खेतों में खड़ी फसलों की फोटो लेकर ऐप पर अपलोड की और संबंधित विवरण दर्ज किया। साथ ही किल्ला नंबर का सीजरा से मिलान भी किया गया, ताकि रिकॉर्ड की सटीकता सुनिश्चित हो सके। इस दौरान पटवारियों ने डीसी को अवगत कराया कि एंट्री करते समय ऐप में लोकेशन से संबंधित दिक्कतें आती हैं। इस पर डीसी ने निर्देश दिए कि खेत के अंदर जाकर फसल की एंट्री करें, जिससे लोकेशन की समस्या कम हो सके। उन्होंने कहा कि जिस खेत का सर्वे किया जा रहा है, उसी स्थान के पास जाकर ही डेटा दर्ज किया जाए।

एसडीएम की पहल पर शौचालय विवाद खत्म,अब नगर पालिका की भूमि पर ही बनेगा आधुनिक शौचालय

तावडू,विजय(केंद्र सरकार द्वारा भेज गए 73 लाख रुपये की राशि से नगर के अलग-अलग हिस्सों में छह आधुनिक शौचालय बनने थे,लेकिन आपसी विवाद के चलते यह काम कई बार बीच में रोकना पड़ा। बुधवार को एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने दोनों पक्षों को और सभी पार्षदों को बुलाकर इसका समाधान निकाल दिया। एसडीएम ने पुष्टि की है कि अब श्री श्याम बिहारी मंदिर रेवाड़ी रोड के समीप ही नगर पालिका की भूमि पर ही सुलभ शौचालय का निर्माण होगा। इसके साथ ही कुछ भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत भी सामने आई है उसको भी जल्द कब्जा मुक्त कराया जाएगा। बता दें कि पिछले दिनों ग्रीन बेल्ट प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना विभागीय अनुमति के शौचालय निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। उसके बाद एसडीएम ने स्वयं मौके का निरीक्षण किया और काम को रुकवा दिया। उसके बाद दोबारा से फिर काम शुरू कराया गया। विरोध में जब 13 पार्षद जिला उपायुक्त अखिल पिलानी से मिले तो एक बार फिर काम को बंद करा दिया गया। एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने स्पष्ट कहा कि जहां-जहां भी सरकारी भूमि है उसको कब्जा मुक्त कराया जाएगा,एक इंच जमीन पर भी अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई बड़ा मामला नहीं था,अब सभी की सहमति इस पर बन गई है। शौचालय का निर्माण श्री श्याम बिहारी मंदिर के साथ लगती नगर पालिका की भूमि पर ही होगा।

नारनौल में ठेके की आड़ में अवैध शराब का भंडाफोड़, 115 पेटियां बरामद

नारनौल। जिले के कपूरी गांव में ठेके की आड़ में अवैध शराब बेचने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। सीआईए महेंद्रगढ़ और आबकारी विभाग नारनौल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से ठेके पर काम करने वाले सेल्समैन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार रात सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि गांव कपूरी स्थित शराब ठेके के पास बने एक टिन शेड के खोखे में बड़ी मात्रा में अवैध शराब का स्टॉक छिपाकर रखा गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सीआईए और आबकारी विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 115 पेटियां, नौ क्वार्टर और 56 निप्स शराब बरामद की। जांच में पाया गया कि यह शराब ठेके के आधिकारिक स्टॉक का हिस्सा नहीं थी, बल्कि अवैध रूप से रखी गई थी। मौके से पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहित के रूप में हुई है, जो ठेके पर सेल्समैन के तौर पर कार्यरत था।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसलाः रबी फसल के लिए 470 करोड़ के जूट बैग मंजूर

नायब सिंह सैनी ने रबी सीजन 2026-27 की तैयारियों को दिया जोर ,550 करोड़ की खरीद में 80 करोड़ की बचत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में वीरवार को आयोजित 'हाई पावर्ड परचेज कमेटी' की बैठक में आगामी रबी 2026-27 सीजन को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। प्रदेश सरकार ने मंडियों में गेहूं की आवक और उसके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 470 करोड़ रुपये के जूट व अन्य बैगों की खरीद को हरी झंडी दे दी है। इस फैसले से किसानों की फसल को सुरक्षित रखने और भंडारण क्षमता को सुदृढ़ करने में बड़ी मदद मिलेगी। बैठक के दौरान जूट बैगों और अन्य आवश्यक भंडारण सामग्री की खरीद से जुड़े दो प्रमुख एजेंडे रखे गए थे। इन एजेंडों की शुरुआती अनुमानित लागत लगभग 550

करोड़ रुपये थी। हालांकि, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कमेटी ने प्रभावी नेगोशिएशन (मोल भाव) की नीति अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने के सीधे तौर पर 80 करोड़ रुपये बचाए गए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक धन का सदुपयोग और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा और उनके कृषि उत्पादों के सुरक्षित रख-रखाव के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक के दौरान जूट बैगों और अन्य आवश्यक भंडारण सामग्री की खरीद से जुड़े दो प्रमुख एजेंडे रखे गए थे। यह खरीद प्रक्रिया खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा राज्य भंडारण निगम की आगामी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बैठक में मौजूद कृषि एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी कि रबी सीजन की सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि जब किसान अपनी फसल लेकर मंडियों में पहुंचे, तो वहां बारदाने (बैग) की कमी या भंडारण को लेकर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

पंचकूला में स्थापित होगी हाईटैक एचआईवी टेस्टिंग लैब, रोहतक लैब पर लोड होगा कम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने पंचकूला के सिविल अस्पताल में एक एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग लैब स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही हरियाणा में यह दूसरी समर्पित सुविधा होगी। इस प्रकार की लैब की सुविधा पहले रोहतक में स्थित है। इस बारे में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस लैब को सालाना 1.65 करोड़ रुपये की लागत पर मंजूरी दी गई है, जो सालाना लगभग 15,000 एचआईवी वायरल लोड टेस्ट के अनुमानित कार्यभार पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस नई लैब को पंचकूला के सिविल अस्पताल में पहले से मौजूद कोविड-19 मॉलिक्यूलर टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग के लिए ज़रूरी अतिरिक्त उपकरण भी खरीदे जाएंगे। इस तरीके से यह सुनिश्चित होता है कि सुविधा को तेज़ी से चालू किया जा सके और इसके लिए पूरी तरह से एक नया सेटअप बनाने की ज़रूरत न पड़े। यह प्रोजेक्ट हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से मिले सुझावों के आधार पर तैयार किया गया था, जबकि इसका तकनीकी मूल्यांकन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा स्वतंत्र रूप से किया गया, जो देश में एचआईवी-एड्स से निपटने वाली सर्वोच्च संस्था है। राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप, प्रति एचआईवी वायरल लोड टेस्ट की लागत 1,100 रुपये तय की गई है। खास बात यह है कि इस टेस्टिंग सुविधा को स्थापित करने और चलाने का पूरा खर्च राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन उठाएगा, जिससे हरियाणा राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

फैक्ट्री में भीषण आग से लाखों का नुकसान

एजेंसी

पानीपत। पानीपत बापौली रोड स्थित गुप्ता इंटरनेशनल फैक्ट्री में बीती रात में लगी भीषण आग से लाखों रुपए का वेस्ट मैटीरियल जलकर राख हो गया। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में फैक्ट्री में रखा भारी मात्रा में वेस्ट मैटीरियल जलकर राख हो गया। कीमती मशीनों को फायर ब्रिगेड की तत्परता से बचा लिया। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग फायर स्टेशनों से आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। फायर ऑफिसर गुरमेल सिंह ने बताया कि आग को बुझाने के लिए दमकल की प्रत्येक गाड़ी को पानी भरने के लिए कम से कम पांच बार चक्कर लगाने पड़े। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद

आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। फैक्ट्री संचालक अमित गुप्ता के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में वेस्ट मैटीरियल पड़ा था, जिसने आग की लपटों को तेजी से भड़काने का काम किया।

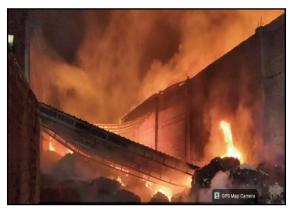

पंचकूला में एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग लैब को मंजूरी, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा बड़ा बल : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने पंचकूला के सिविल अस्पताल में एक एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग लैब स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, हरियाणा में यह दूसरी समर्पित सुविधा होगी ,इस प्रकार की लैब की सुविधा पहले रोहतक में स्थित है। यह जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि इस लैब को सालाना 1.65 करोड़ रुपये की लागत पर मंजूरी दी गई है, जो सालाना लगभग 15,000 एचआईवी वायरल लोड टेस्ट के अनुमानित कार्यभार पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस नई लैब को पंचकूला के सिविल अस्पताल में पहले से मौजूद छ्श्1द्वस्र-19 मॉलिक्यूलर टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, एचआईवी वायरल लोड टेस्टिंग

के लिए ज़रूरी अतिरिक्त उपकरण भी खरीदे जाएंगे। इस तरीके से यह सुनिश्चित होता है कि सुविधा को तेज़ी से चालू किया जा सके, और इसके लिए पूरी तरह से एक नया सेटअप बनाने की ज़रूरत न पड़े। यह प्रोजेक्ट हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (HSACS) से मिले सुझावों के आधार पर तैयार किया गया था, जबकि इसका तकनीकी मूल्यांकन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) द्वारा स्वतंत्र रूप से किया गया – जो देश में HIV/AIDS से निपटने वाली सर्वोच्च संस्था है। राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप, प्रति एचआईवी वायरल लोड टेस्ट की लागत 1,100 रुपये तय की गई है।

पूरी लागत NACO उठाएगा – राज्य के खजाने पर कोई बोझ नहीं

खास बात यह है कि इस टेस्टिंग सुविधा को स्थापित करने और चलाने का पूरा खर्च राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) उठाएगा, जिससे हरियाणा राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि यह एक ऐसा मॉडल है जिसे अन्य राज्य भी अपनाकर अपने बजट पर बिना कोई बोझ डाले अपनी एचआईवी जांच क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एचआईवी -पॉजिटिव व्यक्तियों के लिए, नियमित वायरल लोड टेस्टिंग कोई वैकल्पिक चीज़ नहीं है बल्कि यह बेहद ज़रूरी है। ये टेस्ट डॉक्टरों को यह पता लगाने में मदद करते हैं कि क्या एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी प्रभावी ढंग से काम कर रही है, इलाज में विफलता का जल्द पता लगाने में मदद करते हैं, और वायरस को दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बनने से रोकते हैं। वायरल लोड टेस्टिंग की समय पर सुविधा न मिलने पर, मरीज़ों को इलाज में देरी और सेहत से जुड़ी खराब स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

घबराने की जरूरत नहीं, भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

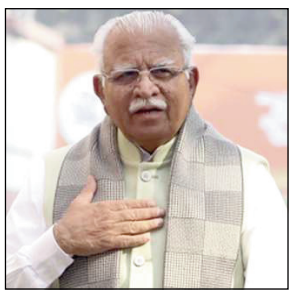

करनाल । केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जहां एक ओर वैश्विक संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव पेट्रोलियम उत्पादों और गैस की आपूर्ति के लिए संभावित खतरा पैदा करते हैं, वहीं भारत ऐसी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और फिलहाल 'घबराने की कोई जरूरत नहीं है।' पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा आपूर्ति का मुद्दा सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बढ़ती हुई अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय है; खासकर कई देशों के बीच चल रहे संघर्षों को देखते हुए, जिनसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ भारत का ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का भी एक मुद्दा है। एक बड़ी समस्या जो हम देख रहे हैं, वह यह है कि कुछ देश आपस में युद्ध में उलझे हुए हैं, जिसका असर पेट्रोलियम उत्पादों और गैस की आपूर्ति पर काफी पड़ सकता है, क्योंकि हम उन्हें वहीं से आयात करते हैं। ' हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि मौजूदा स्थिति स्थिर बनी हुई है और

आपूर्ति में तत्काल कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने आगे कहा, 'अभी सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है और कोई समस्या नहीं है। 'तैयारी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'एक कहावत है कि 'सबसे अच्छे की उम्मीद करो, लेकिन सबसे बुरे के लिए भी तैयार रहो।' सरकार ने अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करने पर भी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। जब भी कोई समस्या आती है, तो हमें उसके लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसीलिए भारत सरकार ने हर तरह की तैयारियां कर रखी हैं। अगर भविष्य में कोई कठिनाई आती भी है, तो भी हम आसानी से उसका कोई न कोई हल निकाल लेंगे। ' उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास इस समय जरूरी ईंधनों और संबंधित संसाधनों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास इस समय पर्याप्त स्टॉक है, चाहे वह पेट्रोल हो, एलपीजी हो, या फिर ऐसी ही दूसरी चीजें जिन्हें हम विदेशों से आयात करते हैं। हम हर पहलू से पूरी तरह तैयार हैं। ' इस तैयारी को आत्मनिर्भरता के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए, मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान का जिक्र किया। उन्होंने समझाया कि आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपनी घरेलू क्षमताओं को इतना मजबूत बनाना कि बाहरी स्रोतों पर हमारी निर्भरता कम हो जाए।

उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें एक 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करना है। आत्मनिर्भरता का सीधा सा मतलब यह है कि हम अपनी जरूरतों के लिए खुद ही पूरी तरह से सक्षम और आत्मनिर्भर हों। '

उन्होंने देशों के बीच आपसी व्यापार की मौजूदा व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला और बताया कि भारत अपनी जरूरतों के हिसाब से चीजों का आयात और निर्यात, दोनों ही करता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश किसी भी प्रतिकूल या मुश्किल हालात का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम है।

स्कूलों में रील-मीम बनाने पर शिक्षा विभाग सख्त, जारी किया पत्र

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में सरकारी स्कूलों में रील और मीम बनाने के कई मामले सामने आने के बाद शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। इसको लेकर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की ओर से एक लेटर भी जारी किया गया है। जिसमें लिखा है कि टीचर, एनी वर्कर और स्टूडेंट रील, मीम और इंटरटेनमेंट को लेकर वीडियो बना रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी सरकारी स्कूलों के मुखियाओं को निर्देश जारी कर कहा है कि स्कूल समय के दौरान किसी भी प्रकार की रील या मनोरंजन के लिए वीडियो बनाने की अनुमति नहीं होगी, क्योंकि इससे पढ़ाई, अनुशासन और स्कूल की गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई स्कूल शैक्षणिक, सांस्कृतिक या जागरूकता से जुड़ा वीडियो बनाना चाहता है, तो उसे पहले संबंधित अधिकारी की अनुमति लेनी होगी और शिक्षक की निगरानी में ही यह कार्य किया जा सकेगा। निर्देशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा। विभाग को काफी समय से कई स्कूल परिसरों में छात्रों और कर्मचारियों द्वारा मनोरंजन के लिए रील/लघु वीडियो बनाए जाने की शिकायतें मिली हैं। इससे पढ़ाई का समय प्रभावित होने और अनुशासन में ढील की स्थिति सामने आई। सोशल मीडिया पर स्कूल के अंदर की सामग्री वायरल होने से गोपनीयता और सुरक्षा के मुद्दे भी उठे। शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र में निर्देश दिए गए है कि शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में किसी भी प्रकार की रुकावट नहीं आनी चाहिए, वीडियो बनाते समय छात्रों की सुरक्षा और निजी जानकारी की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, कोई भी गैर-शैक्षणिक या प्रचारात्मक सामग्री स्कूल परिसर में नहीं बनाई जाएगी, अनुशासन और संस्थान की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस के दो विधायकों का जवाब, नहीं की गद्दारी

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्य सभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोपों में घिरे विधायकों ने कारण बताओ नोटिस का जवाब देना शुरू कर दिया है। नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी और रतिया विधायक जरनैल सिंह ने नोटिस का जवाब देते हुए स्पष्ट किया, हम कांग्रेस के सच्चे सिपाही' हैं। दोनों विधायकों ने क्रॉस वोटिंग के आरोपों को नकारते हुए खुद को पार्टी का समर्पित और अनुशासित सिपाही बताते हुए नोटिस के जवाब में उल्लेख किया कि उन्होंने टीं उम्मीदवार को ही अपनी वोट दी थी।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के मामले में कांग्रेस अनुशासनात्मक समिति की सख्ती पर बागी विधायकों का जवाब देने का सिलसिला शुरू हो गया है। समिति की ओर से पांच विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिनमें से दो विधायकों ने समिति को अपना जवाब भेजा है। हालांकि, अभी तीन विधायकों का जवाब आना बाकी है। बता दें कि 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव में पांच विधायकों ने पार्टी प्रत्याशी कर्मबीर बौद्ध की बजाय निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल को वोट किया था। क्रॉस वोटिंग के मामले में कांग्रेस हाईकमान की सख्ती के बाद 18 मार्च को

> नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में सभी विधायकों को बुलाया गया है।

अनुशासनात्मक समिति ने नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी, सढौरा विधायक रेणू बाला, पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास और हथीन विधायक मोहम्मद इजराइल को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जबकि 20 मार्च को रतिया विधायक जरनैल सिंह के साथ दोबारा सभी चारों विधायकों को कारण बताओ नोटिस थमाया गया था। इनमें से दो विधायकों द्वारा जवाब दिया गया है, जबकि सढौरा, पुन्हाना और हथीन विधायक का जवाब आना बाकी है।

30 मार्च को दिल्ली में होगी विधायक दल की बैठकराज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट करने वाले पांचों विधायकों पर फैसला कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लिया जाएगा। 30 मार्च को नई दिल्ली में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में सभी विधायकों को बुलाया गया है। अब देखना होगा कि 30 मार्च को होने वाली बैठक में पांचों बागी विधायक हिस्सा लेते हैं या नहीं। अगले हफ्ते कांग्रेस अनुशासनात्मक समिति की चंडीगढ़ में बैठक होगी, जिसमें पांचों विधायकों पर औपचारिक रूप से फैसला सुनाया जाएगा।

उपायुक्त अपराजिता ने पूंडरी में निर्माणाधीन तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

एजेंसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने ब्लॉक पूंडरी में निर्माणाधीन तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व निर्माण एजेंसी को कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। एजेंसी प्रतिनिधियों ने डीसी को आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा निरीक्षण के दौरान डीसी ने भवन में बन रहे कमरों, कोर्ट रूम, सीएससी सेंटर, कॉमन रूम और पटवार भवन का एक-एक कर अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस तहसील कार्यालय के निर्माण से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा और राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित तहसील कार्यालय से अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर व सुव्यवस्थित कार्य वातावरण मिलेगा, जिससे विभागीय कार्यों में गति आएगी और कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की बाधा नहीं होगी। डीसी अपराजिता ने प्रथम तल पर बन रहे तहसीलदार व

नायब तहसीलदार कार्यालय का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि भवन में राजस्व रिकॉर्ड के सुरक्षित रख-रखाव के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा डीसी ने तहसील कार्यालय में लिफ्ट, सर्वर रूम, डाटा सेंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) रूम और शौचालयों की व्यवस्था की भी नक्शे के माध्यम से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पंजाब की जनता ने भाजपा को सत्ता में लाने का बना लिया है मनः नायब सैनी

सीएम का आरोप-कांग्रेस और आप पार्टी का गठजोड़ है

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर अंदरखाते गठजोड़ का आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब की जनता भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। वे पंजाब के लुधियाना जिला में स्थित गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में समागम को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय दोनों पार्टियों अंदर खाते एक हो जाती हैं लेकिन हर बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, इसमें पंजाब राज्य भी पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में इस प्रदेश के वीरों का अहम योगदान रहा है। उन्होंने जिस देश एवं प्रदेश के सपने देखे थे उनको पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब विकास के मामले में पहले भी नंबर वन प्रदेश रहा है लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रदेश में ऐसी राजनीति रही कि युवाओं को नशे के दलदल में धकेल दिया गया। विकास के मामले में भी पंजाब पिछड़ गया।

अब पंजाब की जनता कांग्रेस और आप पार्टी के अंदरूनी समझौते को समझ चुकी है , इसलिए इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा की नीतियों पर विश्वास करने का निर्णय ले लिया है। इसके बाद पंजाब भी फिर से मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता वाले 35 स्कूलों को घोषित किया अवैध

एजेंसी

कैथल। जिला शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता और अनुमति के संचालित हो रहे निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 35 स्कूलों की सूची जारी की है। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष ने निदेशालय के निर्देशों के तहत इन स्कूलों को अवैध घोषित किया है और अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य जोखिम में पड़ सकता है, क्योंकि इन संस्थानों की मान्यता नहीं होने के चलते उनके शैक्षणिक प्रमाणपत्र मान्य नहीं होंगे। ऐसे में यदि अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला इन स्कूलों में करवाते हैं, तो इसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों के नाम सार्वजनिक किए हैं। सूची में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के स्कूल शामिल हैं, जिनमें सरस्वती विद्या मंदिर, शहीद भगत सिंह पब्लिक स्कूल (खेड़ी लांबा), गीता विद्या मंदिर कौलेखां, गुरु द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल कैलरम, एसवीएन स्कूल (खरक पांडवा), गीता मॉडल स्कूल (वजीर नगर), सरस्वती पब्लिक स्कूल (चांदना), शहीद उधम सिंह स्कूल भुसला, गीता निकेतन पब्लिक स्कूल भूना, स्विफ्ट इंटरनेशनल स्कूल (क्योड़क), शिक्षा पब्लिक स्कूल (ग्योंग), एसडी मॉडर्न स्कूल (बात्ता), गीतांजलि पब्लिक स्कूल (करोड़ा), गीता मनोहर पब्लिक स्कूल नंदकरण माजरा, टुगेदर वी स्कूल (सेरधा), सरस्वती विद्या मंदिर (थेह बुटाना), नवज्योति पब्लिक स्कूल (चुड़माजरा), ग्रीन वे पब्लिक स्कूल (संगतपुरा), शहीद भगत सिंह स्कूल व आदर्श पब्लिक स्कूल (बरटा), नव जीवन पब्लिक स्कूल, शहीद भगत सिंह स्कूल और मदर प्राइड पब्लिक स्कूल (धनौरी), किड्स ज़ोन (चंदाना), शिव पब्लिक स्कूल (कुराड़), चौधरी देवी लाल स्कूल (बालू), एसके ग्लोबल एकेडमी (करनाल रोड, कैथल), चाणक्य पब्लिक स्कूल कमालपुर, हरियाणा पब्लिक स्कूल ढूंढवा, आरएस पब्लिक स्कूल कलायत, एसवीएन ग्लोबल स्कूल (खेड़ी लांबा), सरस्वती मिडिल स्कूल बडसिकरी, ज्ञानदीप विद्या मंदिर खेड़ी शेरखां, ब्राइट बिगिनिंग पब्लिक स्कूल (धनौरी) तथा हर-हर महादेव स्कूल किच्छाना शामिल हैं।

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपया 86 पैसे टूटकर 94.82 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भी बाजार की अनिश्चितता को बढ़ाया, जिसका असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल करेंसी पर दबाव बना रह सकता है। मालूम हो कि पिछले कुछ कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट देखी गई है। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 94.18 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान पहली बार 94.50 के पार निकल गया। अंत में यह और फिसलकर नए रिकॉर्ड लो 94.82 पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार यानी 25 मार्च को भी रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रामनवमी के कारण बाजार बंद रहे थे। रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है।गिरावट के प्रमुख कारणरुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है। इसके साथ ही, ईरान में जारी संकट और व्यापक मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन कारकों के चलते रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है।2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावटभारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक से भी ज्यादा

समय में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10 प्रतिशत तक गिर चुका है।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली । कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते* पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर

तक भी जा सकता है।

यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्गमों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा फाइनैंशियल सर्विसेज ने 3,000 करोड़ रुपए जुटाए। इसके विपरीत क्यूआईपी निर्गम में तेज गिरावट आई। वित्त वर्ष 2026 में 29 फर्मों ने क्यूआईपी के माध्यम से 62,954 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल 85 फर्मों ने 1.31 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गिरावट के पीछे बाजार में अस्थिरता और निवेशकों की कम रुचि प्रमुख कारण मानी जा रही है। निवेश बैंकरों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क, वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ी कीमतों के कारण निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई। इक्रिरस कैपिटल के भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्गम 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेंट बैंकर नियुक्त करने की

बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 9,999 रुपए से

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अे धिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

पश्चिम एशिया संकट भारत में एमएसएमई को कर्ज भुगतान में मोहलत की संभावना

नकदी प्रवाह पर असर, बैंकिंग क्षेत्र ने सुझाव दिया राहत

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत समेत दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दिख रहा है। ऐसे समय में बैंकरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि नकदी प्रवाह में आई अड़चन से निपटने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और मझोले आकार की कंपनियों को कर्ज भुगतान में अस्थायी मोहलत दी जाए। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनियों की संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित ढांचा स्वेच्छा पर आधारित होगा, यानी कर्जदार अपने आप राहत का लाभ उठा सकेंगे। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इस तरह की व्यवस्था लागू की गई थी, जिससे कारोबारों को नकदी प्रवाह में आई रुकावट का सामना करने में मदद मिली थी। अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो इसी तरह की राहत पर फिर विचार किया जा सकता है।

सरकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुजरात के मोरबी में सिरेमिक क्लस्टर पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, क्योंकि टाइल निर्माण पूरी तरह गैस पर निर्भर है।

इसके अलावा कांच उद्योग, खासकर चूड़ियां बनाने वाले उद्योग और पश्चिम एशिया पर निर्भर चावल निर्यातक प्रभावित हो रहे हैं।

उर्वरक उद्योग को भी वैश्विक संकट के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई और केंद्र सरकार इस विशेष स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। बैंकिंग नियामक ने बैंकों से संकट प्रभावित उद्योगों में उनके निवेश का आंकड़ा मांगा है।

अधिकारी ने कहा कि अगर हालात लंबे समय तक बने रहते हैं तो कर्जदारों को एक-दो महीने या स्थिति सामान्य होने तक राहत दी जा सकती है।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली ।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डले ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ। इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डले ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डले ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डले ला सुपर

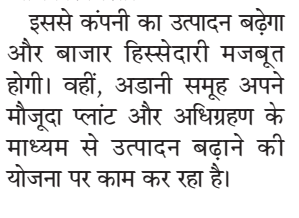

यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डले ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला।

इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

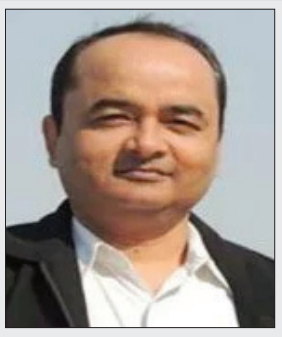

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल

लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दशार्ता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दशार्ता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा-

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मासर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्ण अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

लंदन में यहूदी संस्था की एंबुलेंस में आग, दो आरोपी गिरफ्तार

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक यहूदी संस्था की चार एंबुलेंस को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी उम्र 45 और 47 साल है। यह घटना गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय रहता है। पुलिस इस हमले को यहूदी विरोधी नफरत से जुड़ा अपराध मानकर जांच कर रही है। आग लगने से एंबुलेंस में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर फट गए, जिससे पास की इमारत को भी नुकसान हुआ। पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है।

नाइजीरिया में हमला : 10 सुरक्षाकर्मी और एक नागरिक की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य केब्बी में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें नौ सैनिक, एक पुलिसकर्मी और एक आम नागरिक की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब सुरक्षाबल एक संभावित हमले की सूचना पर कार्रवाई करने जा रहे थे। सरकारी प्रवक्ता याहया सार्की के अनुसार, यह घटना शांगा इलाके में देर रात हुई। आतंकियों ने अचानक हमला करके भारी नुकसान पहुंचाया और कुछ वाहनों को भी जला दिया। हमले के बाद इलाके में डर का माहौल है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि दोषियों को जल्द पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इटली की पर्यटन मंत्री का इस्तीफा

रोम, एजेंसी। इटली में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार को बड़ा झटका लगा है। देश की पर्यटन मंत्री डेनिएला सैंटांचे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब सरकार को न्यायिक सुधारों पर हुए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में हार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री मेलोनी ने खुद सैंटांचे से इस्तीफा देने को कहा था। इससे पहले न्याय मंत्रालय के दो अधिकारी भी इस्तीफा दे चुके थे। यह पूरा मामला सरकार की छवि और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहा है। डेनिएला सैंटांचे पहले से ही कई कानूनी मामलों में फंसी हुई थीं, जिनमें फर्जी अकाउंटिंग और धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। 2023 में भी उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब वे बच गई थीं। अपने इस्तीफे में सैंटांचे ने कहा कि उन्हें दुख है कि उनका कार्यकाल इस तरह खत्म हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वे दूसरों की गलतियों का दोष अपने ऊपर नहीं लेना चाहतीं। इस रेफरेंडम में सरकार के प्रस्ताव को जनता ने खारिज कर दिया, जिससे मेलोनी सरकार की मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं।

उत्तर कोरिया पहुंचे बेलारूस के राष्ट्रपति, किम जोंग से करेंगे बात

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको बुधवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंचे। यहां वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने पर बातचीत करेंगे। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, प्योंगयांग हवाई अड्डे पर लुकाशेंको का स्वागत उत्तर कोरिया के वरिष्ठ अधिकारी किम तोक हुन ने किया, जिन्हें हाल ही में उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

सारा मुलाली बनीं चर्च ऑफ इंग्लैंड की पहली महिला आर्कबिशप

लंदन, एजेंसी। कैंसर नर्स से पादरी बनीं 63 वर्षीय सारा मुलाली ने बुधवार को आर्कबिशप ऑफ कैंटरबरी के रूप में अपने सार्वजनिक मंत्रालय की शुरुआत की। वे चर्च ऑफ इंग्लैंड का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं। यह समारोह फीस्ट ऑफ द एननशिएशन के दिन आयोजित किया गया। मुलाली दुनिया भर के 10 करोड़ से अधिक एंग्लिकन सदस्यों की आध्यात्मिक नेता होंगी। समारोह में प्रिंस विलियम, प्रिंसेस कैथरीन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

रूस-यूक्रेन जंग में मारे गए जिम्बाब्वे के 15 नागरिक

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे सरकार ने बताया कि उसके 15 नागरिक रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए हैं। इन लोगों को नौकरी का झांसा देकर युद्ध में भेजा गया था। सरकार के अनुसार, फर्जी एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए लोगों को अच्छे वेतन और सुरक्षित काम का लालच देती हैं, लेकिन बाद में उन्हें जबरन युद्ध में झोंक दिया जाता है। कई लोगों के पासपोर्ट भी छीन लिए जाते हैं। जिम्बाब्वे अब बचे हुए 66 नागरिकों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। अफ्रीका के कई देशों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है।

बदलते वैश्विक हालात में अमेरिका की मुश्किलें बढ़ीं, चीन-रूस बने बड़ी चुनौती

वॉशिंगटन , एजेंसी। वैश्विक हालात में तेजी से बदलाव के बीच अमेरिका अब एक साथ दो परमाणु खतरों–चीन और रूस का सामना कर रहा है। यह बात शस्त्र नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के अवर सचिव थॉमस डिनानो ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान सांसदों से कही। डिनानो ने कहा कि मौजूदा खतरे का माहौल एक ऐतिहासिक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें वाशिंगटन को बीजिंग और मॉस्को दोनों से एक साथ परमाणु चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा छोटे परमाणु देशों से भी खतरे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक हथियार नियंत्रण ढांचे अब मौजूदा भू-राजनीतिक और तकनीकी चुनौतियों के पैमाने और जटिलता को संभालने में सक्षम नहीं हैं। डिनानो ने कहा, 'एक नामांकित अधिकारी के रूप में मैंने ऐसे हथियार नियंत्रण समझौते तलाशने का संकल्प लिया है, जो सत्यापन योग्य और लागू करने योग्य हों तथा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करें।' उन्होंने यह भी बताया कि उनका कार्यालय पुराने तंत्र को आधुनिक बनाने पर ध्यान दे रहा है। मौजूदा संधियां आज की वास्तविकताओं को, खासकर अमेरिका के विरोधियों की बढ़ती परमाणु

क्षमताओं के संदर्भ में नहीं दर्शातीं। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अंतिम प्रमुख संधि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'न्यू स्टार्ट ने सिर्फ अमेरिका को रोका, जबकि रूस को एक बड़ा थिएटर-रेंज्ड न्यूक्लियर हथियार बनाने और बनाए रखने की इजाजत दी।' उन्होंने सरकार के एक्सपायर हो चुके समझौते से आगे बढ़ने के फैसले का बचाव किया। डिनानो ने कहा कि सरकार अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए समझौते के दृष्टिकोण के हिसाब से अपडेटेड फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जो लागू करने लायक हों और उभरते खतरों के हिसाब से ढल सकें। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ने एक नई संधि की मांग की और कहा कि भविष्य के अरेंजमेंट में तकनीकी बदलाव और बड़े रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का ध्यान रखना होगा।' अपने कार्यालय के दायरे को समझाते हुए डिनानो ने कहा कि स्टेट डिपार्टमेंट का विस्तारित 'टी फैमिली' ढांचा अब हथियार नियंत्रण, परमाणु अप्रसार, आतंकवाद-रोधी प्रयास और राजनीतिक-सैन्य मामलों जैसे प्रमुख सुरक्षा कार्यों को एकीकृत करता है। उन्होंने कहा, 'इस पुनर्गठन से विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा कार्यों का एकीकरण हुआ है और इससे निर्यात नियंत्रण, प्रतिबंधों के पालन और संधि सत्यापन में बेहतर समन्वय संभव हुआ है।' उन्होंने कहा, 'रीऑर्गेनाइजेशन ने विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कामों को मजबूत किया है। नया स्ट्रक्चर एक्सपोर्ट कंट्रोल, बैन लागू करने और ट्रीटी वेरिफिकेशन में सहयोग को बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया कि उनकी टीम बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले हथियारों के फैलाव को रोकने से लेकर हथियारों की बिक्री को मैनेज करने और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी में सहयोग करने तक के बड़े पोर्टफोलियो की देखरेख करती है। डिनानो ने कहा, 'हमारी टीम सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को रोकने से लेकर आतंकवाद से मुकाबला करने तक राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करती है।' उन्होंने कहा, 'राज्य विभाग में हमारा मकसद कूटनीति को आगे बढ़ाना और गठबंधनों का प्रभावी प्रबंधन करना है।' इसके साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी के खतरों से निपटने के लिए सूचना साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया। यह बात ऐसे समय में आई है जब ग्लोबल हथियार कंट्रोल फ्रेमवर्क पर दबाव बढ़ रहा है। न्यू स्टार्ट संधि के खत्म होने से अमेरिका और रूस के रणनीतिक हथियारों पर लगी लिमिट हट गई है, जिससे हथियारों की नई रेस की चिंता बढ़ गई है। इसके साथ ही चीन का बढ़ता न्यूक्लियर प्रोग्राम ने नए बहुपक्षीय समझौता बनाने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया है। यह किसी भी बाईडिंग हथियार कम करने के फ्रेमवर्क से बाहर है। यह एक ज्यादा बिखरे हुए और अनिश्चित ग्लोबल न्यूक्लियर ऑर्डर की ओर बदलाव का संकेत है।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी। अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है।

अमेरिका का दावा- बात जारी है

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं।

ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।' अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है।

अमेरिका का दावा- बात जारी है

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं।

27 दिन से बमबारी जारी, दांव पर ट्रंप की इज्जत; शांति बहाली के कोशिश में वेंस के पाकिस्तान जाने की अटकलें

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से छिड़ी जंग 27वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से दावा किया है कि तेहरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ युद्ध रोकने को लेकर बातचीत जारी है। हालांकि, ईरान की ओर से संघर्ष विराम को लेकर बातचीत से इनकार किया गया है। युद्ध रोकने के दावों और इनकार की इस हुज्जत में ट्रंप की इज्जत दांव पर लग गई है।

वहीं, कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज कर दी गई हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता करने जा सकते हैं। इस्लामाबाद में शांति वार्ता की अटकलें रिपोर्ट्स के अनुसार संघर्ष विराम के लिए इसी हफ्ते इस्लामाबाद में जेडी वेंस एक उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वेंस के साथ अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस बैठक में शामिल होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस ओर संकेत दिए थे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए जेडी वेंस को अपनी पहली पसंद बताया है। ईरान के अधिकारियों ने कहा कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ या जेरेड कुशनर के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। जेडी वेंस से ही क्यों बात करना चाहता है ईरान? ईरानी अधिकारियों ने साफ किया कि पिछली बार इन नेताओं के साथ बातचीत के कुछ ही समय बाद तेहरान पर सैन्य हमले शुरू हो गए थे। ईरान की ओर से इन अधिकारियों पर भरोसा नहीं जताया गया है। वहीं, जेडी वेंस पहले से ही मध्य पूर्व के संघर्षों में अमेरिका के उलझने के खिलाफ साफ रुख अपनाते रहे हैं। ईरान का मानना है कि जेडी वेंस इस युद्ध को जल्द खत्म कराने में व्यावहारिक और अहम भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की ओर से इस संभावित बैठक में संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गलिबाफ वार्ता का नेतृत्व कर सकते हैं।

भगोड़े नीरव मोदी को बड़ा झटका, लंदन हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

लंदन , एजेंसी। भारत में भगोड़े हीरा कारोबारी घोषित नीरव मोदी को एक बार एक झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने बुधवार को नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बता दें कि नीरव मोदी को भारत में 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के सिलसिले में प्रत्यर्पित किया जाना है। बता दें कि मोदी एक भगोड़ा आर्थिक अपराधी है, जिस पर भारत में अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर पीएनबी को कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। नीरव मोदी पर अकेले ही 6,498.20 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप हैं। मोदी 19 मार्च 2019 से ब्रिटेन की अदालत में कैद है।

हाईकोर्ट की किंग्स बेंच डिवीजन में याचिका दायर की थी। वहीं क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के वकील ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम की मदद से उसकी याचिका के खिलाफ दलीलें पेश की थीं। जांच अधिकारियों सहित सीबीआई अधिकारियों की एक टीम सुनवाई के लिए लंदन गई थी।

नीरव मोदी की याचिका खारिज : सीबीआई की प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि नीरव मोदी की अर्जी खारिज कर दी गई है। उन्होंने बताया, ''हथियार कारोबारी संजय भंडारी मामले में आए फैसले के आधार पर मामले में दोबारा सुनवाई शुरू करने की अर्जी दायर की गई थी। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। प्रवक्ता की बताया कि मोदी की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि याचिका और उससे संबंधित परिस्थितियां इतनी असाधारण नहीं थीं कि मामले में दोबारा सुनवाई का औचित्य साबित हो सके। उन्होंने कहा, ''सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में महत्वपूर्ण वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पीएनबी घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है और इस मामले में कार्यवाही 2018 से जारी है।

कोर्ट को नहीं मिली खामी : सीबीआई प्रवक्ता ने आगे बताया कि ब्रिटेन की अदालतों ने 2019 में मोदी की गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी और उसकी पिछली अपीलों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि अदालतों को कोई कानूनी खामी नहीं मिली और भारत में उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में दिए गए आश्वासनों को स्वीकार कर लिया गया था।

अधिकारी ने कहा, ''हालांकि एक अस्थायी कानूनी बाधा ने प्रक्रिया में देरी की, लेकिन इसे अगस्त 2025 में हटा दिया गया। नीरव मोदी ने संभावित दुर्व्यवहार (भंडारी फैसले के आधार पर) के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए और यह सवाल उठाया कि क्या भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन उसके अधिकारों की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं। उसने इसके साथ ही मामले पर दोबारा सुनवाई के लिए आवेदन किया था।

ईरान पर हमलों को ऑस्ट्रेलिया में कम समर्थन, सेना भेजने का विरोध

कैनबरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के हमलों की वजह से तनाव की स्थिति बरकरार है। एक सर्वे से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया की केवल 26 फीसदी जनता ही ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमलों को सही मानती है। वहीं 50 फीसदी आबादी ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की तैनाती को ठीक नहीं मानती। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्वतंत्र फर्म 'एसेंशियल रिसर्च' के एक मासिक पोल, 'द एसेंशियल रिपोर्ट' के ताजा अपडेट में बताया गया है कि 10 फीसदी लोग ईरान पर हमले शुरू करने के अमेरिका-इजरायल के फैसले को पूरी तरह से जायज हमला मानते हैं और 16 फीसदी लोग इसे ठीक-ठाक कार्रवाई करार दे रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 27 फीसदी हिस्सा इस संघर्ष के सख्त खिलाफ है। 15 फीसदी लोगों ने कहा कि वे इसे नामंजूर करते हैं, जबकि बाकी लोग या तो निष्पक्ष रहने में यकीन रखते हैं या इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं।

संघर्ष में ऑस्ट्रेलिया के शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पोल में शामिल 50 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ईरान में अमेरिका-इजरायल के जमीनी अभियान के समर्थन में सेना भेजने का विरोध करेंगे, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि वे ऐसे कदम के पक्ष में हैं।

दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से आने वाले यात्रियों पर बैन लगाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि शॉर्ट-टर्म वीजा खत्म होने के बाद वे घर जाने से मना कर देंगे। गृह विभाग का कहना है कि अगले छह महीनों तक ईरानी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को पर्यटन या काम के लिए ऑस्ट्रेलिया आने से रोक दिया जाएगा।

एक बयान में कहा गया है, 'ईरान में लड़ाई की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि कुछ अस्थायी वीजा होल्डर्स अपने वीजा खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया से बाहर नहीं जा पाएंगे या शायद ही जा पाएं।'

विभाग ने आगे कहा कि वीजा मामले में थोड़ी सी राहत कुछ खास मामलों में दी जाएंगी, जैसे कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के माता-पिता के लिए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 85,000 से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ईरान में पैदा हुए थे और सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में रहने वाले ईरानी समुदाय के पाए जाते हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने मेहमान महिला फुटबॉल टीम की सात खिलाड़ियों और अधिकारियों को अपने देश में शरण दी। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम से ईरान में भारी नाराजगी है।

दरअसल, एशियन कप मैच के दौरान खेल शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इस कदम के बाद ईरान में इन खिलाड़ियों को देशद्रोही करार दिया गया। खिलाड़ियों की इस हरकत को इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ बगावत के तौर पर देखा गया।

उन सात में से पांच ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में पनाह लेने का अपना फैसला बदल दिया, जिससे यह शक और बढ़ गया कि उनके परिवार खतरे में आ गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था। हाल ही में आयोजित रिपब्लिकन कार्यक्रम में उन्होंने ऐसा दावा किया है। हालांकि, इस पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप का बयान ऐसे समय पर आया है, जब खबरें हैं कि ईरान की तरफ से अमेरिका की युद्धविराम की मांग को खारिज कर दिया गया है। ट्रंप ने पाकिस्तान के जरिए ये मांगें ईरान तक पहुंचाई थीं।

ट्रंप ने दावा किया, 'उनकी बहुत ज्यादा इच्छा समझौता करने की है, लेकिन ऐसा कहने से डर रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें उनके लोग ही मार देंगे। उन्हें इस बात का भी डर है कि वो हमारे हाथों मारे जाएंगे। ट्रंप ने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश का ऐसा कोई नेता नहीं रहा होगा, जो ईरान का प्रमुख बनने से इतना बचना चाहता हो। हमने उन्हें साफ तौर पर कहते सुना है। वे कहते हैं, मुझे यह पद नहीं चाहिए। हम आपको अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, तो वे कहते हैं, नहीं, शुक्रिया। मुझे यह नहीं चाहिए।'

ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।' अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। अमेरिका का दावा- बात जारी है वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। लीविट ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस वार्ता में कहा, 'बातचीत जारी है।

14-15 मई को चीन दौरे पर जाएंगे ट्रंप, जिनपिंग के साथ अहम बैठक, रिश्तों में नई गति के संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब 14 और 15 मई को चीन का दौरा करेंगे। व्हाइट हाउस ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह यात्रा पहले इसी महीने के अंत में निर्धारित थी, लेकिन ईरान युद्ध के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने ट्रंप की बहुप्रतीक्षित चीन यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप इस साल बाद में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन की वाशिंगटन डीसी में वापसी यात्रा की मेजबानी भी करेंगे। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप-शी बैठक वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों नेता जल्द ही द्विपक्षीय मुद्दों पर वार्ता करेंगे।

ईरान युद्ध के कारण स्थगित हुई थी यात्रा : जब लीविट से पूछा गया कि क्या दोनों नेताओं ने इस बैठक को फिर से निर्धारित करने की पूर्व शर्त के रूप में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा की थी, तो उन्होंने जवाब दिया कि राष्ट्रपति और शी के बीच बैठक को फिर से निर्धारित करने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई थी। लीविट ने कहा राष्ट्रपति शी ने समझा कि इस समय राष्ट्रपति का पूरे क्षेत्र में यहां होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्थगित करने के अनुरोध को समझा और स्वीकार किया, इसीलिए हमारी बैठक हो रही है।

पिछले साल दोनों नेताओं की अक्तूबर में हुई थी मुलाकात : जब यह पूछा गया कि क्या मई में होने वाली बैठक तक युद्ध समाप्त हो जाएगा, तो लीविट ने कहा जैसा कि मैंने कहा है, हमने हमेशा लगभग चार से छह सप्ताह का अनुमान लगाया है। ट्रंप और शी आखिरी बार अक्टूबर में बुसान, दक्षिण कोरिया में एपीईसी शिखर सम्मेलन के मौके पर व्यक्तिगत रूप से मिले थे। पिछले हफ्ते ओवल ऑफिस में आयरिश प्रधानमंत्री मिशेल मार्टिन से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह महीने के अंत के बजाय पांच या छह सप्ताह

में चीन जाएंगे।

उन्होंने कहा था कि वह अपनी चीन यात्रा को फिर से निर्धारित करेंगे। ट्रंप ने कहा हम चीन के साथ काम कर रहे हैं, वे इसके साथ ठीक थे। मैं राष्ट्रपति शी से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मुझे लगता है कि वह मुझसे मिलने के लिए उत्सुक हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव जारी : गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर संयुक्त हमला किया था, जिसके जवाब में इस्लामिक राष्ट्र की जवाबी कार्रवाई ने युद्ध को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया था। अमेरिका और इस्राइलके हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। यह संयुक्त हमले ट्रंप द्वारा तेहरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम पर एक नए सौदे पर सहमत होने के लिए दबाव बढ़ाने के दिनों बाद हुए थे। इस संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी भारी असर डाला है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के पार।

दक्षिण अफ्रीका : भारतीय मूल की 6 महिलाओं पर ज्वेलरी चोरी का केस शुरू

डरबन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में एक ज्वेलरी दुकान से करीब 3.2 मिलियन रैंड (लगभग करोड़ों रुपये) की चोरी के मामले में 6 भारतीय मूल की महिलाओं के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। इन महिलाओं को 2023 में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं। दुकान के मालिक विष्णु पाथर ने कोर्ट में बताया कि शुरुआत में कुछ घड़ियां गायब थीं, लेकिन जांच में लंबे समय से चोरी का पता चला। सभी आरोपी महिलाओं ने खुद को निर्दोष बताया है। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

हेल्थ प्लस

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मैथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें। मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वत: रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हों

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वत: ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

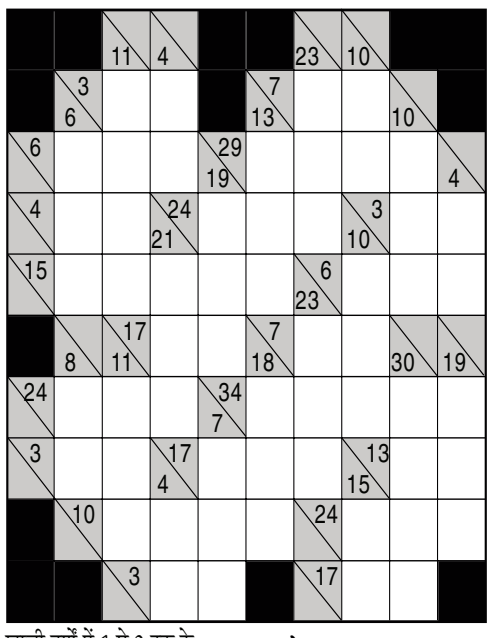

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2019 का हल

लॉफिंग जोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

बायें से दायें:-

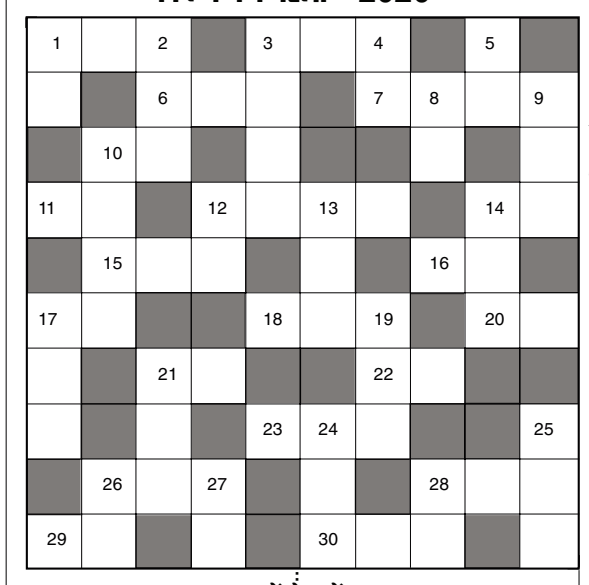

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	र		जा	न	म
		का	श		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डू		थु			मौ
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2019 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2020

बाएँ से दाएँ

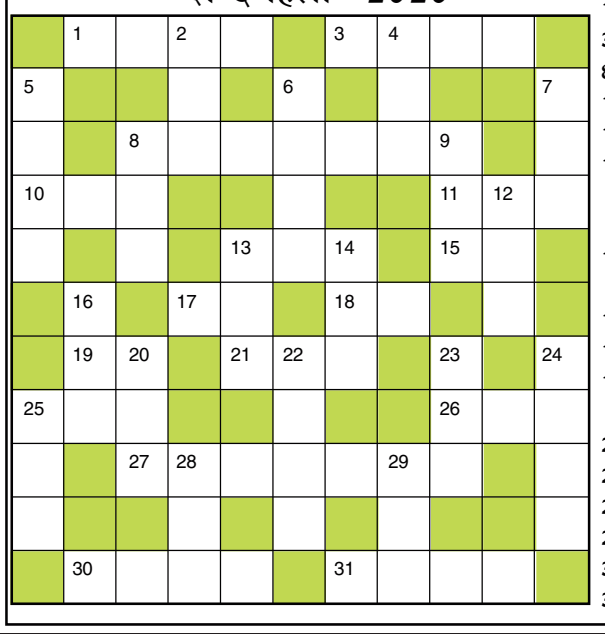

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

मानवाधिकार आयोग ने छत्तीसगढ़ की जेलों में 285 कैदियों की मौत पर दो हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और महानिदेशक (कारागार) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। मानवाधिकार आयोग ने एक बयान जारी कर कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत हुई हैं। इनमें सर्वाधिक 90 मौतें वर्ष 2022 में दर्ज की गईं, जबकि जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच 66 कैदियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने विधानसभा में कैदियों की मौत के पीछे आत्महत्या और पुरानी बीमारियों को मुख्य कारण बताया है। हालांकि, खबरों में यह भी कहा गया है कि राज्य की अधिकांश जेलें क्षमता से अधिक भरी हुई हैं, जिससे संक्रमण फैलने और कैदियों में मानसिक तनाव बढ़ने का खतरा है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कई जेलों में डॉक्टरों और मनोचिकित्सकों की कमी है, जिससे कैदियों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है।

रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक राष्ट्रीय कृषि मेला, इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल बनेगा आकर्षण

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक राष्ट्रीय कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस आशय की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस मेले का एक महत्वपूर्ण आकर्षण इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल होगा। किसान गेहूं और चावल के अलावा उसी जमीन पर फल-सब्जी की खेती, पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन या मछली पालन जैसे काम जोड़कर अधिक मुनाफा कैसे कमा सकता है। इसका प्रेजेंटेशन और लाइव डेमो मेले में दिखाया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कृषि मेला किसानों को नई जानकारी, तकनीक और बेहतर खेती के रास्ते दिखाने में मील का पत्थर साबित होगा। मेले में किसानों को उत्तम बीजों की पहचान, आधुनिक कृषि पद्धतियों, फसलों में रोग लगने पर उपचार, असली और नकली खाद की पहचान, पेस्टीसाइड के सही उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। इसके साथ ही फसल कटाई के बाद सुरक्षित भंडारण, वैल्यू एडिशन, कच्चे माल की प्रोसेसिंग और बाजार तक बेहतर तरीके से बिक्री के तरीकों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही यहां किसानों को लाइव डेमॉन्स्ट्रेशन भी दिखाए जाएंगे।

रेल मंत्री ने 'कवच' प्रणाली की समीक्षा की, एआई आधारित 'सुरक्षा' प्लेटफॉर्म पर जोर

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' की समीक्षा की। बैठक में कवच के तेजी से विस्तार और उन्नत तकनीकों के उपयोग के जरिए रेल संचालन को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कवच के तहत 'सुरक्षा' नामक एआई आधारित केंद्रीकृत मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म भी विकसित किया जा रहा है, जो रियल-टाइम निगरानी और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस में मदद करेगा। यह प्लेटफॉर्म असामान्य घटनाओं की जानकारी ट्रैफिक मॉनिटर्स को तुरंत देगा, जिससे समय पर कार्रवाई कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। रेल मंत्रालय ने बताया कि रेलवे द्वारा विकसित यूनिवर्सल ब्रेकिंग एल्गोरिद्म (यूबीए) कवच प्रणाली का एक अहम हिस्सा है, जो विभिन्न निर्माताओं के बीच ब्रेकिंग सिस्टम को मानकीकृत करता है। इससे इंटरऑपरेबिलिटी सुनिश्चित होती है और बार-बार परीक्षण की आवश्यकता खत्म होती है। इसके अलावा, बेसलाइन सॉफ्टवेयर में सुधार, एआई आधारित डिजाइन ऑटोमेशन और लोकोमोटिव, इंटरलॉकिंग सिस्टम तथा ट्रैक मशीनों के साथ बेहतर एकीकरण से सिस्टम को और मजबूत बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में एसीएम कैडर के 6 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिवीजन के 5 नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी नंबर-5 की एक महिला नक्सली सहित कुल 6 नक्सलियों ने आज अपने साथ एक एसएलआर रायफल, दो 303 रायफल के साथ कांकेर एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। इसकी पुष्टि करते हुए कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि कांकेर जिला अंतर्गत एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में आज राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिवीजन के 5 नक्सली कैडर में एसीएम मंगेश पोडियमी, एसीएम गणेश उइके, एसीएम राजे, एसीएम हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, एसीएम मंगती जुर्री और मिलिट्री कंपनी-5 की महिला नक्सली स्वरूपा उसेंडी ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। पुनर्वास के लिए आगे आए इन नक्सली कैडरों ने कुल 3 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया गया है, जिसमें 1 नग एसएलआर तथा 2 नग .303 राइफल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उक्त 6 नक्सली कैडर जिन्होंने पुनर्वास का मार्ग चुना है, उनके सामाजिक मुख्यधारा में पुनः एकीकरण तथा हथियारों की औपचारिक सुपुर्दगी आदि की कार्रवाई संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

छिंदवाड़ा में दर्दनाक हादसा: ट्रक से टकराकर बस पलटी

10 लोगों की दर्दनाक मौत; कई की हालत गंभीर

एजेंसी

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जहां ट्रक से टक्कर के बाद एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे में कुछ यात्रियों के हाथ कटने और कई के सिर फूटने जैसी गंभीर चोटें सामने आई हैं।कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने मौतों की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, घटना शाम करीब साढ़े 6 बजे उमरानाला क्षेत्र में हुई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे और

यह छिंदवाड़ा से उमरानाला की ओर जा रही थी। जानकारी मिली है कि बस में सवार अधिकांश लोग चौरई तहसील में आयोजित हितग्राही सम्मेलन से लौट रहे थे, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए थे।

फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। घटना के तुरंत बाद पुलिस और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

क्या बोले कलेक्टर?

कलेक्टर ने कहा कि बस में 47 यात्री सवार थे। ये बस छिंदवाड़ा की तरफ से आ रही थी। सिमरिया के पास बस एक वाहन को ओवरटेक कर रही थी, तभी लहसुन से लदी एक पिकअप वाहन की आमने-सामने से भीषण भिंड़त हो गई। इस हादसे में पांच की हालत गंभीर बनी हुई है और 10 मौतों की जानकारी है।

जनगणना अनुसूची में ओबीसी को अलग श्रेणी के रूप में शामिल करने की मांग, सांसद पी विल्सन ने लिखा अमित शाह को पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद पी विल्सन ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर जनगणना अनुसूची में ओबीसी श्रेणी को शामिल किए जाने की मांग की। पी विल्सन ने गृह मंत्री को लिखे पत्र में अनुरोध किया कि वर्तमान जनगणना अनुसूची में संशोधन करके प्रश्न 12 और उसके बाद के सभी गणना चरणों में अन्य पिछड़ा वर्ग को एक अलग श्रेणी के रूप में स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए। पी विल्सन ने अपने पत्र में कहा कि सामाजिक वर्गीकरण से संबंधित गृह सूची अनुसूची के प्रश्न 12 में केवल तीन श्रेणियां दी गई हैं जिनमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य श्रेणी है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कोई अलग गणना नहीं है, न ही सामान्य श्रेणी को कोई मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि एक विशाल और विविध जनसंख्या को एक अवशिष्ट और अपरिभाषित अन्य श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत करने से

एकत्रित किए जा रहे आंकड़ों की सत्यता और उपयोगिता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। यह मुद्दा केवल प्रक्रियात्मक नहीं है, बल्कि पूरी प्रक्रिया की बुनियाद पर ही सवाल खड़े करता है। इसलिए जनगणना अनुसूची में ओबीसी को अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

संस्कृति से परंपरा का सतत प्रवाह बना रहता है: रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि संस्कृति से परंपरा का उद्भव होता है और यही परंपरा एक सतत प्रवाह के रूप में समाज को निरंतर आगे बढ़ाती रहती है। उन्होंने जनजातीय समुदायों की गरिमा, उनकी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं सशक्तिकरण पर जोर दिया।

आईजीएनसीए में आयोजित 10वें राष्ट्रीय जनजातीय एवं लोक संस्कृति साहित्य महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राय ने कहा कि इस कार्यक्रम ने जनजातीय समुदायों के भविष्य के प्रति नई आशा का संचार किया है। उन्होंने संग्रहालयों को अधिक गतिशील और संवादात्मक बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें ऐसे जीवंत स्थलों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जहां लोग अपने इतिहास और सांस्कृतिक स्मृतियों से पुनः जुड़ सकें। उन्होंने बिहार संग्रहालय का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां इतिहास को अनुभवात्मक और जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहां लिखित और अलिखित दोनों परंपराओं को समान महत्व दिया जाता

है। राय ने भाषा, समाज और संस्कृति के गहरे अंतर्संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि भाषा समाज को आकार देती है, समाज से संस्कृति का निर्माण होता है और संस्कृति से परंपरा का निरंतर प्रवाह उत्पन्न होता है। उन्होंने महात्मा गांधी और सत्याग्रह की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण क्षणों ने समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को जन्म दिया। उन्होंने भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए निरंतर प्रयासों का आह्वान किया। समापन सत्र में प्रो. अमिताभ पांडे ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सांस्कृतिक और ज्ञान परंपराओं के साथ सतत संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोगात्मक मंच भविष्य के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलते हैं और कम चर्चित समुदायों को व्यापक पहचान दिलाने में सहायक होते हैं। वहीं, प्रो. रमेश चंद्र गौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे निरंतर प्रयास भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति नई चेतना उत्पन्न करते हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपराओं को समृद्ध करने में जनजातीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

दुनिया में युद्ध के हालात, लेकिन समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आज दुनिया के बड़े हिस्से में युद्ध के काले बादल छाए हुए हैं, लेकिन संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर आगामी 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए वैश्विक तनाव को लेकर कहा कि दुनिया में युद्ध के हालात बन रहे हैं, लेकिन हमें लड़ाई नहीं, शांति का रास्ता अपनाना चाहिए। घृणा नहीं, प्रेम ही समाधान है। अपने दौरे की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री चौहान ने पाटन देव हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने बजरंगबली के साथ भगवान श्रीराम और अष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा कर

आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने रामनवमी के संदेश का जिक्र करते हुए ने कहा कि यह पर्व हमें एकता और समानता की सीख देता है। उन्होंने कहा कि एक ही चेतना सबमें है, पूरे जगत में वही भाव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल विकास की ओर बढ़ रहा है, बल्कि दुनिया को शांति और समन्वय का मार्ग भी दिखा रहा है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि 11, 12 और 13 अप्रैल को रायसेन की पवित्र धरा पर एक भव्य राष्ट्रीय कृषि मेले का आयोजन होने जा रहा है। यह कोई साधारण मेला नहीं बल्कि मेरी अंतरात्मा से निकला एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी प्रयास है। इस मेले में रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास जैसे क्षेत्रों के लिए वैज्ञानिकों की टीम द्वारा तैयार किया गया कृषि रोडमैप भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुसार किसानों को सही दिशा मिल सके।

भारतीय विचारधारा निरंतर ज्ञान प्रवाह, मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

मैसूर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारतीय विचारधारा हजारों वर्षों से निरंतर प्रवाहित होने वाला ज्ञान का स्रोत है, जो समय के अनुसार अपना स्वरूप बदलते हुए आगे बढ़ती रही है। प्रज्ञा प्रवाह कर्नाटक द्वारा मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित 'एकात्म मानव दर्शनः भारत की विश्वदृष्टि' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष संवाद सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है और आज भी समयानुसार अपने स्वरूप में परिवर्तन करते हुए आगे बढ़ रहा है। किसी भी सिद्धांत का एक व्यावहारिक रूप होता है, इसलिए भारतीय विश्वदृष्टि को आम लोगों तक सरल भाषा में पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक

नीति पर आज भले ही व्यापक चर्चा हो रही हो, लेकिन मैसूर रियासत में सदियों पहले ही इन विषयों पर विचार कर उन्हें क्रियान्वित किया गया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन ने मानव की समग्रता को रेखांकित किया है और उसी आधार पर केंद्र सरकार ने कई योजनाएँ तैयार की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसे प्राप्त करने के लिए भारतीय चिंतन को पुनर्जीवित करना आवश्यक है। औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी उसकी मानसिकता बनी रही, जिससे देश को नुकसान हुआ है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था डिग्री और प्रमाणपत्र तक सीमित हो गई है, जिसे भारतीय विचारधारा के आधार पर पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मातृभाषा में शिक्षा देने से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। इसलिए शिक्षा प्रणाली में बुनियादी बदलाव लाना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक समय के अनुरूप ढालकर आम लोगों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

बिना शंकराचार्य की अनुमति संन्यास अमान्य: शास्त्रार्थ निष्कर्ष

एजेंसी

हरिद्वार। नगर के भूपतवाला स्थित शांभवी पीठ में महाकुंभ, अर्धकुंभ एवं अखाड़ा परिषद से जुड़े विषयों पर एक महत्वपूर्ण शास्त्रार्थ चर्चा हुई। इसकी अध्यक्षता शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने की। शास्त्रार्थ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण विषय के रूप में यह बात सामने आई कि बिना शंकराचार्य की पूर्वानुमति और उनके दिए गए विधिवत मंत्र के कोई भी व्यक्ति संन्यासी नहीं बन सकता और न ही किसी को संन्यास दे सकता है। विद्वानों ने इसे सनातन परंपरा की मूल मर्यादा बताते हुए इसके पालन पर बल दिया।

विद्वानों ने चर्चा के दौरान यह भी चिंता व्यक्त की गई कि वर्तमान समय में बिना विशेष योगदान के कुछ व्यक्तियों को संत घोषित किया जा रहा है, जिससे परंपरा की गरिमा प्रभावित हो रही है। कुंभ मेला जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों में भागीदारी के लिए स्पष्ट पात्रता निर्धारित करने की आवश्यकता पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर 'देवभूमि विद्वत परिषद' के गठन का निर्णय लिया गया तथा शंकराचार्य पद

की नियुक्ति में मर्यादानुसार सिद्धांतों के पालन पर जोर दिया गया। शास्त्रार्थ में प्रो. मोहन चंद्र बलोदी, डॉ. भोला झा, प्रो. राधेश्याम चतुर्वेदी, डॉ. दिनेश चंद्र पाण्डेय, डॉ. पद्म प्रसाद सुवेदी, डॉ. श्रीप्रकाश भट्ट और डॉ. हरिगोपाल शास्त्री सहित कई विद्वान उपस्थित रहे। शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप ने इस आयोजन का उद्देश्य सनातन परंपराओं को सुदृढ़ करना तथा कुंभ आयोजन को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना बताया गया।

विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है टेक्नोलॉजी: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। पिछले नौ सालों में प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के गोरखपुर सेंटर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। और, जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति की ओर नहीं जाना है बल्कि प्रगति का अनुसरण करना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारे युवाओं में बहुत प्रतिभा है। उसकी प्रतिभा को जब हम टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह अपनी प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे

बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यहां युवाओं में स्केल तो था, लेकिन उसे वर्ष 2014 के पहले की सरकारों ने मन में निराशा थी। पर, 2014 के बाद एक-एक करके हर एक क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीपीआई का गोरखपुर सेंटर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध करवाया। परिणाम था कि युवा हतोत्साहित होता था, पलायन करता था। युवाओं के सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की सबसे बड़ी विशेषता है कि स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति केवल अपना कंप्यूटर लेकर वहां जाएगा। उसे जगह, विद्युत कनेक्शन और अन्य जन सुविधाओं की चिंता नहीं करनी है। देश और दुनिया में जहां कहीं भी सॉफ्टवेयर की टेक्नोलॉजी आज अपनी धमक दिखा रही है, उसके पीछे यही मॉडल सब जगह सफल हुए हैं। गोरखपुर में पहली बार इसे शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अप्रैल को गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर आफ एक्सीलेंस का शुभारंभ भी हो जाएगा। यह सेंटर आफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में बना है। ये सभी कार्यक्रम दिखाते हैं कि अब केवल हार्डवेयर में ही नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर में भी पूर्वी उत्तर प्रदेश का युवा अपनी प्रतिभा का परिचय वैश्विक मंच पर देने में सफल हो पाएगा।

नए बिहार के लिए नीतीश कुमार ने जो योगदान दिया है, उसके लिए बिहार सदैव उनका ऋणी रहेगा : नितिन नवीन

एजेंसी

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज पटना जिला के बापू सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के जन संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और लोगों को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंच साझा करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नाउम्मीद के दौर से निकालकर बिहार को विश्वास के साथ विकास को जोड़ा। बिहारियों के सम्मान को लौटाने का काम किया। आज हर बिहारी खुद को गौरवान्वित महसूस करता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी समृद्धि यात्रा के जरिये बिहार में उत्सव का मौका पैदा किया है। बिहार अब विकास के अपने इस सफर में इसी उत्सव के वातावरण में आगे बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि एक विधायक के तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में मुझे भी काफी कुछ सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि संभवतः एक विधायक के तौर पर यह आखिरी सरकारी कार्यक्रम हो लेकिन पटना के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि पटना और बिहार के विकास को मुख्यमंत्री ने जो नया आयाम बनाया है,

उसे आने वाले दिनों में भी केंद्र सरकार की मदद से और गति देने का काम करूंगा। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने 2005 में प्रदेश में कार्य करने वाली संस्कृति बनाई। उस समय सरकार के नुमाइंदे जनता के प्रति जवाबदेह कम रहते थे। उस दौर में बिहार के हर घर में रोशनी पहुंचाने की कल्पना करना भी दूभर था लेकिन आज लालटेन को छोड़कर हर घरों तक एलईडी पहुंचाने का काम किया। आज सभी घरों में बिजली पहुंच गई है, तो उसका श्रेय सीएम नीतीश कुमार को जाता है। बिहार में सड़कों की स्थिति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में कहा जाता था कि सड़क है या गड्ढा है। सीएम नीतीश कुमार ने न केवल सड़कें बनाई, बल्कि उनका मेंटेनेंस भी किया। आज इस पॉलिसी को अन्य राज्य अपना रहे हैं। छोटी-छोटी राशि से पुल-पुलियों का निर्माण ग्रामीण सड़कों में कराया गया, तब लोग सोचते थे, लेकिन आज सड़कें बिहार के विकास की गाथा बता रही हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद जिस तरह से डबल इंजन की सरकार बनी, बिहार को केंद्र सरकार का सपोर्ट मिला, उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार है। पहले बिहार में गंगा नदी पर एक पुल था, आज पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व मे आधा दर्जन से ज्यादा पुल गंगा नदी पर बने हैं। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की दूरी किसी ने कम की है, तो पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार ने किया। आज किसी भी कोने से राजधानी में कुछ घंटे में लोग पहुंच रहे हैं। आज बिहार में एक्सप्रेस वे बन रहा है। नितिन नवीन ने कहा कि नए बिहार के लिए नीतीश कुमार ने जो योगदान दिया है, उसके लिए बिहार सदैव उनका ऋणी रहेगा। युवाओं को शिक्षा और रोजगार के लिए बाहर जाना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री ने पिछले सत्र में 50 लाख युवाओं को रोजगार देकर साबित किया कि अगर संकल्प है, तो सिद्धि में कैसे बदला जा सकता है।

भारत-चीन युवा संवाद में आपसी सहयोग और समझ बढ़ाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने यहां चौथे भारत-चीन युवा संवाद को संबोधित करते हुए दोनों देशों के युवाओं से आपसी समझ, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के संबंधों का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है, और आपसी संवाद ही विश्वास को मजबूत करेगा।

राजदूत ने अपने संबोधन में कहा कि आज के युवा पहले की तुलना में अधिक वैश्विक, आत्मविश्वासी और तकनीकी रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सांस्कृतिक आदान-प्रदान की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे चीनी डिजिटल कंटेंट और भारतीय योग, भोजन व संस्कृति दोनों देशों के युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं।

इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों में युवाओं की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने प्राचीन काल में ह्वेनसांग की भारत यात्रा, रवींद्रनाथ टैगोर के चीन दौरे और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान डॉ. द्वारकानाथ कोटनीस के योगदान का उदाहरण दिया। राजदूत ने तीन प्रमुख बिंदुओं पर युवाओं का ध्यान आकर्षित किया। पहला, एक-दूसरे के प्रति निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें दोनों देशों के बीच मतभेद बढ़ाने का प्रयास करती हैं, लेकिन युवाओं को स्वतंत्र रूप से सोचने की जरूरत है। दूसरा, उन्होंने आपसी लाभ पर आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और हरित प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के युवाओं के बीच सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया। तीसरा, उन्होंने वैश्विक स्तर पर खुले और समावेशी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और चीन को वैश्विक दक्षिण के प्रमुख देशों के रूप में मिलकर काम करना चाहिए और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए। अपने संबोधन के अंत में राजदूत ने युवाओं से अपील की कि वे आपसी मतभेदों को समझदारी से सुलझाएं और सहयोग के नए रास्ते तलाशें, ताकि भारत-चीन संबंधों को नई दिशा मिल सके।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

-पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

मुचोवा को हराकर गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होगा सामना

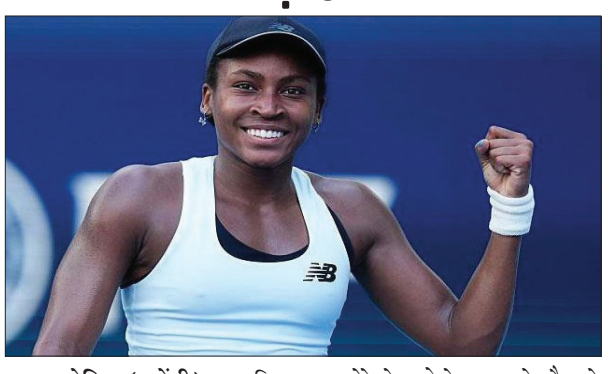

फ्लोरिडा (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। नंबर 13 सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर मियामी की रहने वाली यह खिलाड़ी अपने छठे डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुंचने के बाद, अपने 12वें WTA खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत में एक ब्रेक गंवाने के बाद, गॉफ ने आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर एक घंटे 20 मिनट में जीत हासिल की; इस जीत की खास बात यह थी कि उन्होंने मुचोवा की सर्विस को छह बार ब्रेक किया।

अब वह चेक खिलाड़ी के खिलाफ छह मैचों में अजेय हैं और 2026 में दो बार उन्हें हरा चुकी हैं। गॉफ ने सीजन की अपनी शुरुआत के बारे में प्रेस से कहा, 'इस साल मेरे कुछ मैच काफी मुश्किल रहे, लेकिन यह पिछले साल से बेहतर है। मुझे लगता है कि यह सब मेरे खेल को बेहतर बनाने और उसे और मजबूत करने की कोशिश का नतीजा है और मुझे लगता है कि सुधार हो रहे हैं खासकर मेरे फोरहैंड में, मैं इस बात से खुश थी कि पूरे टूर्नामेंट में मेरा खेल कैसा रहा।'

शनिवार के फाइनल में गॉफ का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा जिन्होंने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में एलेना रायबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया था। गॉफ का सबालेंका से 12 बार मुकाबला हुआ है, हाल ही में 2025 में मैड्रिड फाइनल, रौलां गैरो फाइनल और WTA फाइनल रियाद ग्रुप स्टेज में; जिसमें फ्रांस में हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने जीत हासिल की थी। सबालेंका और गॉफ के बीच टूर-लेवल पर अब तक 12 मुकाबले हुए हैं, जिनमें दोनों ने 6-6 जीत हासिल की हैं।

राजस्थान रॉयल्स को सस्ते में मिल गए वैभव सूर्यवंशी!, रखा था इतने करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के साथ IPL में शुरूआत और भारतीय युवा टीम में पिछले एक साल से सूर्खियों में रहे 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर IPL फ्रेंचाइजी ने खुलासा किया कि उनके लिए 10 करोड़ तक का बजट अलग रखने की योजना बनाई थी। हालांकि राजस्थान को सूर्यवंशी बेहद सस्ते में मिल गए और उन्होंने इसके लिए 1.1 करोड़ ही चुकाने पड़े।

वैभव ने महज 12 साल की उम्र में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। इसके बाद 13 साल की उम्र में IPL ऑक्शन में बिके और 14 साल की उम्र में अपने पहले ही सीजन में 35 गेंदों में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हाल ही में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता।

राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट जुबिन भरुचा ने ट्रायल को याद करते हुए कहा कि अक्टूबर 2024 में ट्रायल के दौरान ही वैभव ने सबका ध्यान खींच लिया था। वैभव ने पहली गेंद को जिस तरह से खेला उससे उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद दिला दी। वैभव ने ट्रायल के दौरान 6 फीट लंबे तेज गेंदबाजों का सामना किया। एक गेंदबाज ने 157 KPH की रफ्तार से गेंद डाली जिसे वैभव ने सीधे साइटस्क्रीन के ऊपर छक्का जड़ दिया। इतनी तेज गेंद पर इतनी आसानी से छक्का मारना सामान्य नहीं है, वो भी इतनी कम उम्र में।

IPL 2026 में अब सूर्यवंशी के सामने बड़ी चुनौती खुद को लगातार बेहतर बनाते हुए हर परिस्थिति में रन बनाने की होगी। आईपीएल का आगाज शनिवार 28 मार्च से हो रहा है जबकि राजस्थान रॉयल्स की टीम 30 मार्च को अपने अभियान की शुरूआत करेगी जहां उसका सामने चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेस्मेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें।

नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हसिल करेंगे। जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है। उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में हैं।विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2016 के सत्र में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे। उस सत्र में उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे और अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था हालांकि तब वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुरुआती दो मैचों में विफल रहने के बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए पिछले 9 मैचों में 4 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। इससे साफ है कि वह लय में है। लीग के पिछले सत्र में भी विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। तब उन्होंने 15 पारियों में 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 54.75 और स्ट्राइक रेट 144.71 रहा था। उन्होंने पूरे सत्र में 8 अर्धशतक लगाए थे।आरसीबी को लीग में पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 24 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 805 रन बनाए थे। विराट ने अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीती थी।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

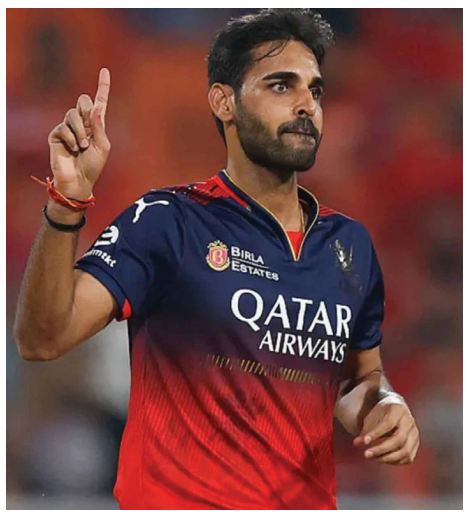

मुम्बई। आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं। आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप : भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर

माले। ओमांग डोडुम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरनाज सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी विशाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहेइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ओमांग डोडुम ने खेल पर कब्जा जमाया। 64वें मिनट में उन्होंने रिकी की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दोगुनी की। 88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनल्टी में गिराए जाने पर डोडुम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3-0 किया। डोडुम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके। गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं, इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।

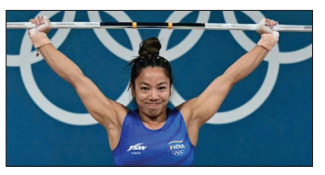

भारत के स्टार हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने लिया संन्यास, ओलंपिक्स में जीत चुके हैं पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया अवार्ड्स समारोह के दौरान अपने संन्यास की घोषणा की। 31 वर्षीय इस भारतीय हॉकी खिलाड़ी ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और 33 गोल किए।

26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत सिंह जूनियर हॉकी रैंक में तेजी से आगे बढ़े और अपनी गति तथा तेज सूझ-बूझ से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने भारतीय हॉकी के सबसे यादगार पलों में से एक में अहम भूमिका निभाई। 2016 में लखनऊ में जूनियर एफआईएच विश्व कप की जीत।

फाइनल में गोल करके भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और भारतीय आक्रमण पंक्ति के मुख्य खिलाड़ी बन गए। गुरजंत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का एक अहम हिस्सा थे। गुरजंत ने भारत को एशियाई खेल 2023 और 2017 एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी मदद की, साथ ही कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब भी जीते।

2021 में उन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज यहां अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत सिंह ने कहा, 'मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे सीनियर खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर की थी और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतोष महसूस हो रहा है। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गौरवान्वित व्यक्ति के रूप में विदा ले रहा हूं।'

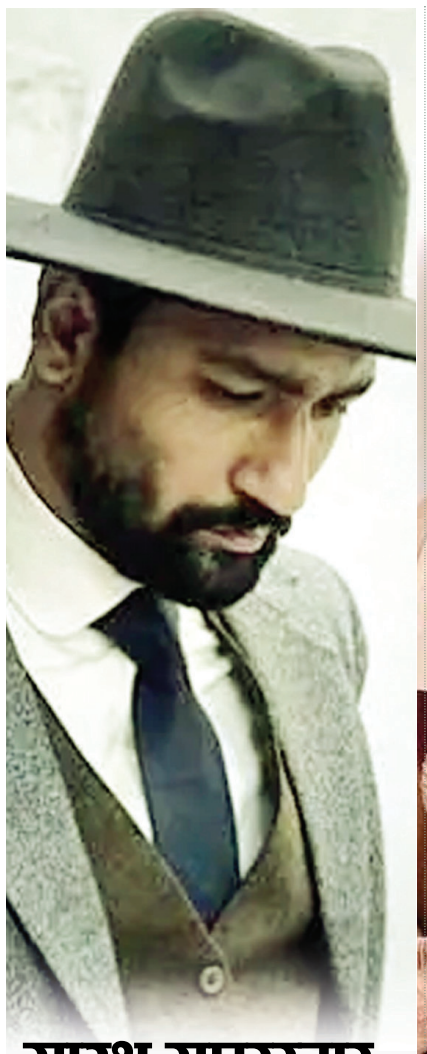

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

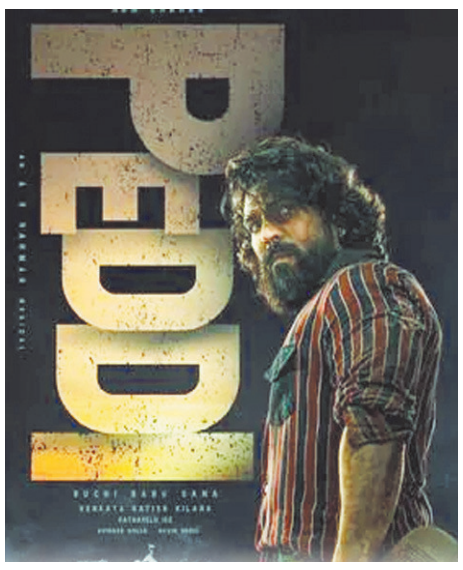

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

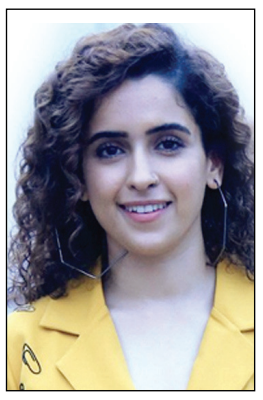

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

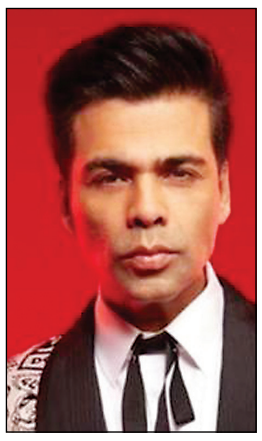

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

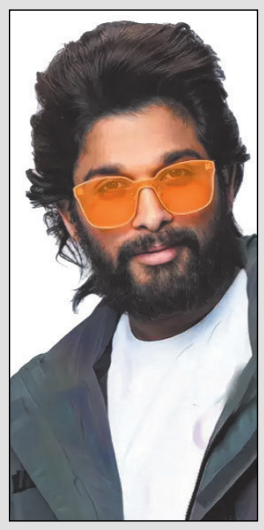

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेनः चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स्' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।